राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार 5नवम्बर 2020 वर्ष-3, अंक -280 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुप्रीम कोर्ट ने घर खरीददारों को बनाया और ताकतवर, बिल्डरों की धोखाधड़ी से निपटने के लिए दिए 4 'हथियार'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फ्लैट उपभोक्ताओं को और सशक्त कर दिया है। अब उनके पास बिल्डरों की धोखाधड़ी से निपटने के चार हथियार हैं। खास बात यह है कि चारों हथियार एक साथ इस्तेमाल कर सकते हैं। पहला रेरा, दूसरा उपभोक्ता अदालत, तीसरा दिवालिया संहिता और चौथा रिट कोर्ट का क्षेत्राधिकार। जस्टिस यूयू ललित की पीठ ने सोमवार को दिए फैसले में साफ कर दिया है कि रियल स्टेट रेगुलेशन एक्ट (रेरा) फ्लैट खरीदार को उपभोक्ता अदालत में जाने से नहीं रोकता। कोर्ट ने बिल्डर बायर एक्ट में लिखी शर्तों को भी नहीं माना और कहा कि उपभोक्ता संरक्षण कानून के प्रावधान रेरा कानून के अनुषंगी हैं। उसमें इस बात का कोई प्रतिबंध नहीं है कि रेरा अनुबंध होने के बाद खरीदार फ्लैट प्राप्त करने के लिए उपभोक्ता अदालत नहीं जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह से दिवालिया संहिता कानून की धारा 7,9 के तहत फ्लैट देने में विफल रहने पर बायर दिवालिया घोषित करने के लिए एनसीएलटी जा सकता है। हालांकि, इसमें संशोधन किया गया है। अब इन प्रावधानों का सहारा लेने लिए 100 बायर होने चाहिए या उसका कुल डिफॉल्ट 1 करोड़ रुपए होना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा लॉकडॉउन के दौरान किए गए इन संशोधनों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। सर्वोच्च अदालत इन प्रावधानों की वैधानिकता की जांच कर रही है। चौथा हथियार रिट कोर्ट है, जो बिल्डर को आदेश दे सकता है कि वह बायर को फ्लैट की डिलीवरी दे। आम्रपाली और यूनिटेक के मामले उस क्षेत्राधिकार के ताजा उदाहरण हैं। सैकड़ों फ्लैट बायर की तकलीफों को देख कोर्ट ने सख्त कारवाई करते हुए दोनों बिल्डरों को जेल भी भेज दिया था।

4 देशों के युद्धपोतों से गरज उठा हिन्द महासागर, भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाएं दिखा रहीं कौशल

नई दिल्ली। चीन से तनातनी के बीच मंगलवार को मालाबार युद्धाभ्यास की शुरुआत हुई। विध्वंसक मिसाइलों से लैस भारत, अमेरिका, जापान व ऑस्ट्रेलिया के युद्धपोत हिन्द महासागर में अपनी ताकत व युद्ध कौशल का प्रदर्शन करते नजर आए। बंगाल की खाड़ी में तीन से छह नवंबर तक चारों देशों की नौसेनाएं संयुक्त रूप से जोर आजमाइश करती दिखेंगी। विशेषज्ञों के मुताबिक, इससे चीन की बेचैनी बढ़नी तय है। यह बहुपक्षीय नौसैनिक युद्धाभ्यास है, इसमें नौसेनाएं युद्ध जैसे हालात पैदा करती हैं और आपस में संघर्ष करती नजर आती हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, पहली बार इतने बड़े मुल्क की नौसेनाएं एक साथ, एक महासागर में एक खास उद्धेश्य के साथ उतरी हैं। हिन्द महासागर में चीन की बढ़ती नापाक हरकतों पर लगाम लगाना उनका मकसद है और यही चीन की बेचैनी बढ़ने की बड़ी वजह है। इस साल यह अभ्यास दो

चरणों में आयोजित किया जाएगा, पहला मंगलवार को विशाखापत्तनम के पास तट से, और दूसरा मध्य नवंबर में अरब सागर में। पिछले साल इसे सितंबर के शुरू में जापान के तट पर आयोजित किया गया था।

करीब 13 साल बाद चारों देश साथ-भारत कई देशों के साथ अक्सर युद्धाभ्यास करता रहा है लेकिन करीब 13 साल बाद 'क्वाड' गठबंधन के चारों देश भारत, अमेरिका, जापान व ऑस्ट्रेलिया एक साथ युद्धाभ्यास कर रहे हैं। 1992 में भारत व अमेरिका की नौसेनाओं के बीच युद्धाभ्यास से इसकी शुरुआत हुई और 2015 में जापान भी इसमें शामिल हुआ। 2007 में ऑस्ट्रेलिया ने भी इसमें हिस्सा लिया था लेकिन बाद में वह दूर हो गया था। अब चीन के साथ उसका टकराव फिर बढ़ा तो एक बार फिर वह इस युद्धाभ्यास का हिस्सा बनने को राजी हुआ।

भारत की भूमिका-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 27 अक्तूबर को अमेरिका के साथ 2 + 2 वार्ता के बाद कहा था कि हम इस बात पर सहमत हुए कि यह आवश्यक है कि नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखा जाए, कानून के शासन का सम्मान किया जाए और अंतरराष्ट्रीय समुद्र में आवागमन की स्वतंत्रता हो और सभी राज्यों की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखा जाए। बीते दिनों जापान के प्रधानमंत्री योशिहीडे सूगा ने कहा था कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को स्वतंत्र और भयमुक्त बनाना है। अमेरिका पहले ही चीन को रोकने के लिए अपने युद्धपोत भेज चुका है।

चीन को किस बात का डर-क्वाड देश अंतरराष्ट्रीय समुद्र में सबके लिए आवाजाही बनाए रखना चाहते हैं लेकिन चीन इसमें अड़ंगे डाल रहा है। दक्षिण चीन सागर में जो भी चल रहा है, वह कहीं न कहीं अंतरराष्ट्रीय समुद्र पर कब्जा करना और उसके जरिए अन्य देशों के मुक्त आवागमन को रोकना चाहता है।

कोरोना वायरस की वैक्सीन अब दूर नहीं...वैज्ञानिकों ने विकसित की नैनोपार्टिकल वैक्सीन

नई दिल्ली। संक्रमित कोरोना मरीज के शरीर की एंटीबॉडीज से दस गुना ज्यादा सुरक्षा देने वाला कोविड-19 का एक प्रयोगात्मक टीका विकसित किया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन स्कूल ऑफ मेडिसिन के वैज्ञानिकों को यह सफलता मिली है। यह एक नैनोपार्टिकल वैक्सीन है, जिसका प्रारंभिक परीक्षण चूहों पर सफल रहा। अब इस प्रयोगात्मक टीके का मानव परीक्षण किया जाएगा। यह शोध सेल पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

कोरोना वायरस से संक्रमित हुए मरीजों के ठीक हो जाने के बाद उसके शरीर में एंटीबॉडीज पैदा हो जाती हैं, जो उस व्यक्ति को दोबारा वायरस के हमले से लड़ने में मदद करती हैं। इस शोध में वैज्ञानिकों ने जो नैनोपार्टिकल वैक्सीन तैयार की है, उससे शरीर में विकसित होने वाली एंटीबॉडीज की संख्या संक्रमित होकर ठीक हो चुके व्यक्ति की एंटीबॉडीज से दस गुना ज्यादा है। यानी इस प्रयोगात्मक टीके की खुराक शरीर में जाने पर पैदा होने वाली एंटीबॉडीज दस गुना ज्यादा शक्ति से वायरस के खिलाफ लड़ सकती हैं।

दूसरे संभावित टीकों से ज्यादा ताकतवर

शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने जो नैनोपार्टिकल प्रयोगात्मक टीका तैयार किया है, वह कोरोना के दूसरे संभावित टीकों के मुकाबले दस गुना ज्यादा ताकतवर है। इसमें बनने वाले सूक्ष्म कण बड़ी संख्या में और अलग-अलग तरीकों से कोरोना वायरस के स्पाइक प्रोटीन पर हमला कर सकते हैं। दूसरी ओर, कोविड-19 के अधिकांश संभावित टीके सार्स-कोव-2 वायरस के नुकीले बाहरी हिस्से में मौजूद स्पाइक प्रोटीन पर आधारित हैं। जिनसे शरीर में विकसित होने वाली एंटीबॉडीज उस वायरस के खिलाफ उतनी ताकतवर नहीं होगी।

वायरस के रूप परिवर्तन पर भी असरदायक

ट्रायल वैक्सीन के चूहों पर किए अध्ययन के डाटा का हवाला देते हुए शोधकर्ताओं ने बताया कि यह वायरस के म्यूटेशन या रूप परिवर्तन के बाद बनने वाले स्ट्रेन पर भी असरदायक होगी। शोध से पता लगा कि इस वैक्सीन से टीकाकरण होने के बाद शरीर में मजबूत बी-सेल प्रतिक्रिया पैदा होती है। ये बी-सेल शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र की स्मृति कोशिकाएं हैं, जो वायरस से लड़ने के अनुभव को शरीर में लंबे वक्त तक बनाए रखती हैं। इससे शरीर कोरोना वायरस या उसके दूसरे रूपों से लड़ने के लिए लंबे वक्त तक तैयार रहता है।

कम डोज देने पर भी बहुत प्रभावी

इस शोधपत्र के प्रमुख लेखक डेविड वेसलर ने बताया कि इस ट्रायल टीके की कम मात्रा में दी गई खुराक भी शरीर में ज्यादा मात्रा में एंटीबॉडीज पैदा करता है। दरअसल, यह एक संरचना आधारित टीका है, जिसके प्रोटीन नैनोपार्टिकल खुद ही बंध जाते हैं। जिससे एक बार में 60 रिसेप्टर निकलते हैं, जो शरीर में घुसने वाले वायरस को खुद में बांध लेते हैं। जबकि अणु आधारित संचरना में इतनी बड़ी तादाद में प्रोटीन नहीं निकलते इसलिए इसकी कम डोज भी कारगर होगी।

आसान रखरखाव के कारण किफायती होगी

दुनियाभर में कोविड-19 के कई टीके विकसित किए जा रहे हैं पर उनकी मैन्युफैक्चरिंग, भंडारण और उसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना बहुत बड़ी चुनौती है। शोधकर्ता के मुताबिक, इस वैक्सीन की कम खुराक ही सुरक्षा देगी, जिसे फ्रीजर के बाहर भी रखा जा सकता है इसलिए इसका दुनियाभर में वितरण आसान और किफायती होगा।

बिहार चुनाव के बाद भाजपा की अहम समितियों में होंगे बड़े बदलाव

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा के केंद्रीय संगठन में कुछ और बदलाव किए जाने की संभावना है। पार्टी की दो महत्वपूर्ण समितियों केंद्रीय संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति में युवाओं को नए और युवा नेताओं को मौका दिया जा सकता है। इसके साथ ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भी बड़े बदलाव किए जाने की संभावना है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पिछले दिनों राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा कर सबको चौंका दिया था। इनमें 50 फीसद से ज्यादा नए और युवा चेहरों को मौका देकर उन्होंने संगठन की नई पीढ़ी की शुरुआत की थी। इस बीच बिहार विधानसभा चुनाव आ जाने से संगठन की अन्य महत्वपूर्ण समितियों का गठन नहीं हो पाया था। अब चुनाव नतीजों के बाद केंद्रीय संसदीय बोर्ड व केंद्रीय चुनाव समिति और राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया जाना है।

चुनाव नतीजों पर नजर

सूत्रों के अनुसार, भाजपा नेतृत्व की नजर बिहार और देश भर में हो रहे उपचुनाव के नतीजों पर भी है। इनमें युवा पीढ़ी के रुझान को देखते हुए भी कई बातें तय की जाएगी कि पार्टी संगठन में युवा चेहरों को कितना आगे बढ़ाया जाए और अनुभवी बुजुर्ग नेताओं को कितना स्थान दिया जाए। हालांकि संसदीय बोर्ड और चुनाव समिति ऐसी इकाइयां है जिनमें वरिष्ठ और अनुभवी चेहरे जगह पाते हैं, लेकिन नड्डा ने जिस तरह से अपनी टीम में युवा चेहरों को बढ़ावा दिया उससे आगे भी अहम बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

देश के हर हिस्से को जोड़ने की कोशिश

राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन में काफी चेहरों को बदले जाने की संभावना है। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से युवा और नए चेहरों को शामिल किया जा सकता है। भाजपा के राष्ट्रव्यापी व्यापक प्रसार के बाद पार्टी की पहुंच अधिकांश राज्यों में निचले स्तर तक हुई है।

बिहार में तीसरे फेज के चुनाव प्रचार में दो युवराजों का डर और दो माताओं की दुहाई दे गए पीएम

भागलपुर। कोसी और सीमांचल दो प्रमंडल। दो अलग-अलग मैदान। दो युवराजों का डर और दो माताओं की दुहाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहरसा और अररिया में जब लोगों से मुखातिब थे, राज्य के बाकी हिस्सों में दूसरे चरण का मतदान हो रहा था। प्रधानमंत्री का यह दुक्का (तुक्का नहीं) यूं ही नहीं था। सुनियोजित तरीके से प्रधानमंत्री ने बिहार की तारीफ की। बिहार को तारीफ के लायक बनने की वजह 15 साल के सुशासन को बताया और उससे भी पीछे के 15 साल को जंगल राज-जंगलराज कहते हुए उसका डर दिखाया। दो युवराजों से उनका इशारा राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की तरफ था। राष्ट्रवाद के नाम पर भारत माता और बिहारवाद के नाम पर छठी मैया का जिक्र करते हुए पीएम लोकल पर वोकल हुए। आखिर में प्रधानमंत्री ने एनडीए के पक्ष में मतदान की अपील की। गरीब,

किसान, मजदूर, माताएं, बहनें, बेटे-बेटियां पीएम की जुबान पर आए। साथ में आया कोसी का मखाना, सीमांचल का केला, किशनगंज का अनानास और दुर्दिन में चल रही जूट की खेती। कृषि उत्पादों पर आधारित उद्योग लगाने और उसे बाजार देने के दशकों पुराने वादे भी प्रधानमंत्री ने कर दिए। जेपी आंदोलन के बाद कांग्रेस की सरकार गिराने और 15 साल के लालू राज के बाद भाजपा-जदयू को सत्ता सौंपने वाली बिहार की जनता से उन्होंने वापस मुड़कर नहीं देखने की अपील की। इसीलिए कांग्रेस के राहुल गांधी व राजद के तेजस्वी को उन्होंने डबल-डबल युवराज कहा। कांग्रेस पर तंज कसा, दोनों सदन मिलाकर भी इनके पास सौ सीट नहीं हैं। कोसी-सीमांचल की बाढ़ पर बिना कुछ बोले पीएम ने युवाओं पर फोकस करते हुए कुल छह मिनट खर्च किए। युवा वोटरों को रोजगार और नौकरी देने का दावा कर रहे तेजस्वी यादव की बातों में युवा न आ जाएं, इस बात की चिंता देश के मुखिया में झलकी। नौकरियों से इतर आत्मनिर्भर बनने की सीख वह लगातार देते रहे।

काउंटर अटैक

पीएम के कारण देश में बेरोजगारी बढ़ी-राहुल

कटिहार में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पीएम ने दो करोड़ लोगों को रोजगार देने का दावा किया था। वादा पूरा नहीं कर पाए इसलिए बेरोजगारी बढ़ी है। सीएम से जब युवा रोजगार के बारे में पूछते हैं तो वह धमकाकर बाहर निकाल देते हैं। कोसी-सीमांचल में बाढ़ से हर साल होने वाले नुकसान का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने फूड प्रोसेसिंग यूनिट नहीं लगवाई, इस कारण मजदूरों का पलायन जारी है। कोरोना से जीतने के नाम पर थाली बजवाई, मोबाइल का लाइट जलवाया, लेकिन बीमारी बढ़ती गई। उस दौरान टीवी पर पीएम मोदी और पैदल चलते मजदूर ही दिखते थे।

तेजस्वी यादव ने एक साथ केंद्र और राज्य सरकार को निशाने पर लिया

त्रिवेणीगंज में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव ने एक साथ केंद्र और राज्य सरकार को निशाने पर लिया। बोले आलू-प्याज की महंगाई इनके कारण बढ़ी है। इनको पांच साल और दिया तो बिहार का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। आज बिहार में किसी भी सरकारी कार्यालय में घूस दिए बिना कोई काम नहीं होता। हमें मौका मिला तो कृषि ऋण माफ करेंगे, बिजली की कीमत कम करेंगे। मधेपुरा पहुंचे तेजस्वी ने कहा कि यह मेरे पिता की कर्मभूमि है। उन्होंने यहां रेल कारखाना दिया। नीतीश जी ने कुछ भी नहीं दिया। बाढ़ से बचाव व पलायन रोकने के लिए पिछले पंद्रह वर्षों में कुछ नहीं किया गया। पीएम की दो सभाओं को टक्कर देने के लिए तेजस्वी ने कोसी-सीमांचल में एक दिन में छह सभाएं कर डालीं। निशाने पर पीएम कम और सीएम ज्यादा रहे।

मुंबई पुलिस ने रिपब्लिक टीवी के एडिटर अर्णब गोस्वामी को हिरासत में लिया

मुंबई। रिपब्लिक टीवी के एडिटर-इन-चीफ अर्णब गोस्वामी के घर बुधवार सुबह मुंबई पुलिस पहुंची। मुंबई पुलिस ने घर में घुस कर अर्णब गोस्वामी को हिरासत में ले लिया है।अर्णब गोस्वामी (अर्नब गोस्वामी) को महाराष्ट्र सीआईडी ने 2018 में इंटीरियर डिजाइनर अन्वय नाइक और उनकी मां कुमुद नाइक की मौत की जांच के सिलसिले में हिरासत में लिया है। अर्णब को अलीबाग ले जाया गया है। यह जानकारी एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने दी है। वहीं, समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, अर्णब गोस्वामी ने आरोप लगाया है कि मुंबई पुलिस ने उनके साथ हाथापाई की है। एजेंसी ने रिपब्लिक टीवी चैनल के कुछ स्क्रीनशॉट शेयर किए हैं, जिनमें पुलिस गोस्वामी के घर के अंदर घुसती दिख रही है और झड़प भी हो रही है। फिलहाल, इस खबर के साथ ही हैशटैग #ArnabGoswami ट्विटर पर ट्रेंड करने लगा है। एएनआई के मुताबिक, अर्णब गोस्वामी ने आरोप लगाया है कि मुंबई पुलिस ने उनके ससुर, सास, बेटे और पत्नी के साथ मारपीट की है। रिपब्लिक टीवी पर जो वीडियो चल रहे हैं, उसमें दावा किया जा रहा है कि पुलिस अर्णब से बदसलूकी करती दिख रही है।

पटाखों को लेकर राजस्थान सरकार सख्त, बेचने वाले दुकानदार पर लगेगा 10 हजार का जुर्माना

जयपुर। पटाखों को लेकर राजस्थान की गहलोत सरकार कड़े कदम उठा रहीसरकार के आदेश के मुताबिक राज्य में इस बार पटाखा बैन रहेगापटाखे बेचने वाले दुकानदार पर 10 हजार रुपयों का जुर्माना लगेगा अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार ने राज्य में पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल करने वालों पर आर्थिक जुर्माना लगाने का फैसला किया है. राज्य सरकार ने फैसला किया है कि किसी भी तरह की आतिशबाजी (पटाखा) बेचने वाले किसी भी दुकानदार को 10 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया जाएगा. गहलोत सरकार ने यह भी फैसला किया है कि जो भी व्यक्ति किसी भी तरह की पटाखे का इस्तेमाल करता है या उन्हें जलाने की अनुमति देता है, उसे 2000 रुपये के जुर्माने से दंडित किया जाएगा.

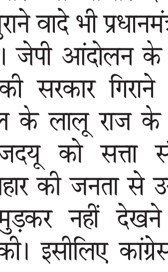

कोरोना संक्रमित रोगियों और जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक उपाय के रूप में राज्य में पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले के बाद मंगलवार (3 नवंबर) को आर्थिक जुर्माने के बारे में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है.

इस फैसले को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, राज्य सरकार ने आतिशबाजी के कारण निकलने वाले जहरीले धुएं से कोरोना संक्रमित रोगियों और जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पटाखों की बिक्री और उन्हें जलाने पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है.

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आगे कहा, इस चुनौतीपूर्ण कोरोना महामारी के समय में, लोगों के जीवन की रक्षा करना सरकार के लिए सर्वोपरि है. आतिशबाजी से निकलने वाला जहरीला धुआं कोरोना रोगियों के साथ-साथ दिल की बीमारियों और सांस लेने की समस्याओं से पीड़ित लोगों के स्वास्थ्य के लिए एक खतरा है. ऐसे में लोगों को दिवाली के दौरान आतिशबाजी से बचना चाहिए.

सीएम गहलोत ने आदेश को लेकर कहा, पटाखों की बिक्री के लिए अस्थायी लाइसेंस पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए गए हैं और आतिशबाजी पर भी रोक लगनी चाहिए.

सुप्रीम कोर्ट में बोले सॉलिसिटर जनरल- सेंट्रल विस्टा सरकारी धन की बर्बादी नहीं बचत है

नई दिल्ली। SC में सेंट्रल विस्टा परियोजना के खिलाफ लगी याचिकासॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने रखा सरकार का पक्षइस मामले में बुधवार को भी जारी रहेगी कोर्ट की सुनवाई

नई संसद और सचिवालय परिसर यानी सेंट्रल विस्टा के निर्माण पर आपत्ति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस परियोजना की खासियत बताई.

सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि ये योजना और निर्माण घाटे का सौदा या सरकारी खजाने की बर्बादी नहीं बल्कि इसके जरिए धन के सदुपयोग से हर साल डेढ़ हजार करोड़ रुपए की बचत होगी. अव्वल तो ये पर्यावरण अनुकूल इमारत होगी, प्राकृतिक ऊर्जा का इस्तेमाल तो होगा ही साथ ही विभिन्न मंत्रालयों के किराए की इमारतों में चल रहे दफ्तर भी अपनी सरकारी इमारत सेंट्रल विस्टा में आ जाएंगे.

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एएम खानविलकर की अगुआई वाली पीठ के सामने याचिकाकर्ताओं के वकील श्याम दीवान और कपिल सिब्बल की दलीलों का जवाब देते हुए तुषार मेहता ने कहा कि संसद की मौजूदा इमारत सौ साल पुरानी हो गई है. जाहिर है

उसमें मौजूदा दौर के मुताबिक सुरक्षा, संरक्षा के उपाय जुगाड़ तकनीक से ही किए गए हैं. इमारत की मजबूती पर भी समय के थपेड़ों का असर पड़ा है.

तुषार मेहता ने आगे कहा कि जिन लोगों ने इस परियोजना को यहां चुनौती दी है संसद में वही जगह की कमी, सुरक्षा इंतजाम में कमी और व्यवस्था में चूक की बात करते हैं. ऐसे में इस परियोजना को लेकर अलग से किसी स्वतंत्र संस्थान या एजेंसी से उसका आकलन और अध्ययन कराने की जरूरत नहीं है.

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के सामने दो याचिकाएं दाखिल कर याचिकाकर्ताओं ने राजपथ के बगल में स्थित जगह पर प्रस्तावित सेंट्रल विस्टा परियोजना के लिए भूमि उपयोग नियम में अवैध तरीके से बदलाव करने का आरोप सरकार पर लगाया है. इस परियोजना के तहत संसद भवन सहित सभी मंत्रालय, सचिवालय और अन्य कई दफ्तरों के लिए दस इमारतें बनाई जानी हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को नोटिस जारी कर याचिका में उठाए गए सवालों और आरोपों पर जवाब तो मांगा था लेकिन परियोजना कार्य पर स्टे नहीं लगाया. श्याम दीवान ने तीन दिन तक इस परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर सवाल उठाते हुए सरकार की मंशा को भी कठघरे में खड़ा किया था. मंगलवार को तुषार मेहता ने सबका जवाब दिया. हालांकि बहस बुधवार को भी जारी रहेगी.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

असंतोष और आंदोलन

आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन इस देश के लिए कोई नई बात नहीं है। हालांकि कुछ लोगों को यह बात थोड़ी अजीब जरूर लग सकती है कि इस समय जब देश एक महामारी से संघर्ष कर रहा है, तब आंदोलन जैसी कोई बात नहीं होनी चाहिए। ऐसे आंदोलन मास्क लगाकर नहीं होते और सामाजिक दूरी का कोई सिद्धांत यहां नहीं दिखता है। लेकिन यह भी सच है कि ऐसे आंदोलन अक्सर असंतोष की उपज होते हैं और इस समय असंतोष चरम पर है। लॉकडाउन शुरू होने के बाद जिस तरह देश में बेरोजगारी बढ़ी है, उसे देखते हुए असंतोष के कारणों को समझा जा सकता है। ऐसे में, जब अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने के दावे किए जा रहे हैं, बेरोजगारी कम होने के बजाय बढ़ रही है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी द्वारा जारी आंकड़े बता रहे हैं कि सितंबर के मुकाबले अक्तूबर में बेरोजगारी दर और बढ़ी है। भारत में राजनीति हमेशा से ही कुछ इस तरह से चलती रही है कि लोग रोजगार की मांग को लेकर सड़कों पर उतना नहीं उतरते, जितना आरक्षण की मांग को लेकर उतरते हैं। हालांकि यह आंदोलन चलाने वाले भी जानते हैं कि इसके जरिए कुछ लोगों को नौकरी जरूर मिल सकती है, लेकिन इससे पूरी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। राजस्थान में गुर्जर समुदाय के आंदोलनकारी फिलहाल आरक्षण की मांग को लेकर जिस तरह से सड़कों और रेल पटरियों पर जमे हुए हैं, उनके असंतोष को भी हमें इसी तरह से समझना होगा। वैसे गुर्जर समुदाय को पिछड़ी जाति के तौर पर आरक्षण का लाभ दिया जाता है, लेकिन यह आरक्षण उन्हें संतुष्ट करने में समर्थ नहीं है और वे चाहते हैं कि उन्हें अति-पिछड़ी जाति के तौर पर आरक्षण दिया जाए। वैसे यह मांग भी कोई नई नहीं है और कई बार पहले भी उठ चुकी है। एकाध बार तो ऐसे आंदोलन सामुदायिक तनाव और संघर्ष में भी बदले हैं, लेकिन आमतौर पर ऐसे आंदोलन चुनाव के आस-पास होते हैं और उन्हें राजनीति का हिस्सा मान लिया जाता है। लेकिन इस बार जहां आंदोलन चल रहा है, वहां कोई चुनाव सामने नहीं है, इसीलिए इस असंतोष को बढ़ती बेरोजगारी के संदर्भ में समझना जरूरी है। आमतौर पर ऐसे आंदोलनों की आग में एक और चीज घी डालने का काम करती है, वह है कृषक समुदाय की बदहाली। लगातार बदहाली के कारण अब किसान परिवारों के युवा कृषि में अपना भविष्य नहीं देखते, लेकिन जब वे अपने पुश्तैनी काम के बाहर कोई रोजगार खोजते हैं, तो इसके अवसर वहां बहुत ज्यादा उपलब्ध नहीं हैं। उन्हें लगता है कि आरक्षण उनके अवसरों को थोड़ा बढ़ा सकता है। फिर अपने देश में जो राजनीति चल रही है, उसमें आरक्षण सिर्फ समुदाय के सामाजिक उत्थान का ही मामला नहीं है, बल्कि उसकी राजनीतिक ताकत का प्रतीक भी बन गया है। सरकारों के लिए यह संकट का समय भी होता है और उसके राजनीतिक कौशल की परीक्षा का भी। अगर आप सीधे से आरक्षण दे दें, तो कई दूसरे समुदायों के संगठन भी ऐसी ही मांग के साथ आगे आ जाएंगे। पिछले दिनों केरल में आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई, तो इसके खिलाफ ही आंदोलन शुरू हो गया। इस असंतोष का सही समाधान तो बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करना ही है, कुछ और नहीं।

आज के ट्वीट

गलत

जो लोग 'अर्नब गोस्वामी' की पत्रकारिता को गलत कह रहे है उन्होंने कभी रवीश कुमार,राजदीप सरदेसाई,वाजपेई की पत्रकारिता को गलत कहा क्या अगर नहीं कहा तो उन्हें अर्नब को गलत कहने का अधिकार भी नहीं है।

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

विवाद-प्रतिवाद और राजनीतिक निहितार्थ

पुष्परंजन

एक शिक्षक ने यह नहीं सोचा होगा कि उसकी छोटी-सी ग़लती से दुनिया आग का दरिया भी बन सकती है। बात शिक्षक पैटी सैमुअल की हो रही है, जो पेरिस के उपनगर कोन्फ्याउं सातों लोरिना स्थित हाईस्कूल 'थियोदोर दे बांदेल' में इतिहास और समाजशास्त्र पढ़ाते थे। अक्तूबर, 2020 के पहले हफ्ते टीचर क्लासरूम में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में साप्ताहिक शार्ली एब्दो में छपे विवादास्पद कार्टून दिखाकर बताना चाहते थे कि फ्रांस में इसकी आज़ादी है। उन्होंने छात्रों से कहा था कि वे चाहें तो मुंह फेर सकते हैं, या फ़िर क्लासरूम से बाहर जा सकते हैं। मगर, क्लास समाप्त होने के बाद ब्राहिम चिना नामक एक छात्रा ने अपने पिता से शिकायत की कि टीचर पैटी सैमुअल ने दो कार्टून उस दौरान दिखाये थे, जिसमें से एक में पैगंबर मोहम्मद का नग्न कार्टून भी था। उस क्लास की वीडियो क्लिप छात्रा के पिता ने पुलिस और हाईस्कूल के प्रिंसिपल के पास भेजी थी और शिकायत की थी कि शिक्षक पैटी सैमुअल क्लास में पोर्नोग्राफी प्रस्तुत कर रहे थे। उस शिकायत में शिक्षक पैटी सैमुअल को 'ठग' कहा गया था, जिसके जवाब में पैटी ने मानहानि का दावा ठोक दिया। पैटी सैमुअल ने बताया कि उस दिन वह लड़की ब्राहिम चिना क्लासरूम में भी नहीं थी। इस बीच यूट्यूब और फेसबुक पर कार्टून वाली बात फैल चुकी थी, और पेरिस से लगे पेंतिन ग्रांड मॉस्क के इमाम इस कांड के विरुद्ध बयान दे चुके थे। सोशल मीडिया पर यह चिंगारी शोला बनने लगी। उसी दौरान शिकायतकर्ताओं से रूसी-चेचन मूल के 18 वर्षीय युवक अब्दुलाख अंजरोव ने संपर्क साधा और 16 अक्तूबर, 2020 को उसने टीचर पैटी सैमुअल का गला काट दिया। इस सिलसिले में सोलह लोग गिरफ्तार किये गये, और हमलावर कुछ घंटों में ही मारा गया। मगर, बात वहीं जाकर नहीं रुकी। प्रेसिडेंट मैक्रों ने बयान दिया कि मृत शिक्षक पैटी सैमुअल को हम सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'लेजन द ऑनर' से नवाजते हैं और उन्हें 'गणराज्य का प्रमुख चेहरा' घोषित करते हैं। मैक्रों ने 'इस्लामी अतिवाद' को परास्त करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मैक्रों ने सोबोन यूनिवर्सिटी की शोक सभा में कहा कि बाक़ी देश मोहम्मद का कार्टून बनाना छोड़ भी दें, फ्रांस नहीं छोड़ने वाला। देशभर के शिक्षक अभिव्यक्ति की लड़ाई जारी रखेंगे। मैक्रों के शब्द 'इस्लामी अतिवाद' से सबसे पहले बवाल काटा तुर्की के राष्ट्रपति रिजिब तैयप एर्दोआन ने। एर्दोआन ने इसे ऐसा फैलाया कि लगभग पूरा इस्लामी जगत फ्रांस के विरुद्ध लामबंद दिखने लगा है। एर्दोआन लंबे समय से मैक्रों से फुंके पड़े थे। उसकी वजह भूमध्यसागर की कूटनीति है, जिसमें तुर्की के प्रतिद्वंद्वी ग्रीस को फ्रांस से मदद मिल रही है। ग्रीक आइलैंड कॉस्टेलोरिज़ो में तेल के भंडार की खोज को लेकर तुर्की से तनातनी चल रही थी, जिसमें फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों पीछे से पीठ ठोक रहे थे। साइप्रस में भी पहले से गैस की खोज को लेकर तुर्की से झगड़ा चल रहा था, यहां भी मैक्रों टांग अड़ाये हुए थे। मैक्रों की मुश्किलें घरेलू मोर्चे पर कम होती नज़र नहीं आ रही हैं। बैंकों की हालत खस्ता है। यूरोपीय आयोग भविष्यवाणी कर चुका है कि फ्रांस की बैंकिंग आउटपुट में इस साल 10.8 प्रतिशत की मंदी आएगी। कोरोना लॉकडाउन से पहले फ्रांस में बेरोज़गारी दर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच चुकी थी। वर्ष 2008 में आर्थिक भूचाल के समय जैसे हालात थे, उसके आसपास फ्रांस की अर्थव्यवस्था पहुंच चुकी है। वहां अप्रैल, 2022 में आम चुनाव है और मैक्रों ने देशवासियों से वादा कर रखा है कि हर हाल में बेरोज़गारी दर को 7 फीसद से नीचे ले आएंगे। वर्ष 2018 से ही फ्रांस में अर्थव्यवस्था और बेरोज़गारी के सवाल पर 'येलो वेस्ट मूवमेंट' चल रहा है। मैक्रों इसे काउंटर करने के वास्ते वैचारिक आज़ादी आंदोलन का कार्ड खेल रहे हैं, ताकि फ्रांसीसी जनता का बड़ा हिस्सा इससे भावुक होकर उनकी प्रशासनिक विफलता को नज़रअंदाज़ कर दे। 16 अक्तूबर, 2020 को शिक्षक पैटी सैमुअल की हत्या के बाद 29 अक्तूबर को फ्रांस के नीस स्थित एक चर्च में एक धार्मिक उन्मादी ने तीन लोगों की हत्या कर दी। मृतकों में एक बूढ़ी महिला थी, जिसका गला काट दिया गया था। उसके अगले दिन ल्यों में एक ग्रीक आर्थोडॉक्स पादरी को गोली मार दी गई। नीस स्थित नॉट्रेडम चर्च में जिस हमलावर ब्राहिम एडसोई ने यह कांड किया था, वह ट्यूनीशिया से कुछ दिन पहले फ्रांस आया था। हमलावर पुलिस हिरासत में है। सवाल यह है कि फ्रांस में हर बार प्रोफेट मुहम्मद के कार्टून को लेकर ही क्यों विवाद उठता रहा है? 7 से 9 जनवरी, 2015 को पेरिस में शार्ली एब्दो साप्ताहिक के दफ्तर पर हुए शूटआउट कांड को लोग भूले नहीं हैं, जिसमें आठ कार्टूनिस्ट, दो गेस्ट और दो पुलिस वाले मारे गये थे। उसके बाद भी शार्ली एब्दो साप्ताहिक ने कार्टून छापना बंद नहीं किया। 12 जनवरी, 2015 के अंक में हजरत मोहम्मद पर 'इनटचेबल-टू' शीर्षक से कार्टून छापकर अपना विरोध प्रकट किया था। तब की फ्रांस्वा ओलांद सरकार ने ऐलान किया था कि हम कट्टरपंथियों को बर्दाश्त नहीं करने वाले। बावजूद इसके ओलांद की लोकप्रियता 2016 आते-आते चार फीसद रह गई थी। इसलिए राष्ट्रपति मैक्रों को अपने पूर्ववर्ती से सबक लेना चाहिए कि धार्मिक भावनाएं भड़काकर आर्थिक विफलता को लंबे समय तक ढका नहीं जा सकता। फ्रांस में 84 लाख मुसलमान आबादी बताई जाती है, जो कुल जनसंख्या के 12 प्रतिशत के आसपास है। इनमें ज्यादातर मग़रिब से आये मुसलमान हैं। अल्जीरिया, मोरक्को, ट्यूनीशिया, तुर्की, सब-सहारा अफ्रीका, मिडिल ईस्ट, बांग्लादेशी, पाकिस्तानी और पूर्वी एशियाई मुस्लिम मूल के मुसलमानों की उपस्थिति की वजह से इस कांड पर तेज़ प्रतिक्रिया संबंधित देशों से आई। इधर, मैक्रों के समर्थन में पीएम मोदी हैं, उसकी वजहें साफ हैं। यह दिलचस्प है कि हज़रत मुहम्मद के कार्टून के सवाल पर तुर्की समेत दक्षिण-पूर्व एशिया की निकम्मी सरकारों व नकारा विपक्ष ने अपनी धार्मिक रोटी को सेंकना आरंभ किया है। इनमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान ख़ान और मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद का ज़िक्र ज़रूरी है। ईरान, कतर, कुवैत, जार्डन, पाकिस्तान, बांग्लादेश में प्रदर्शन और फ्रांसीसी सामानों का बहिष्कार उसी क्रिया-प्रतिक्रिया की कड़ी रही है। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन अंतर्राष्ट्रीय इस्लामिक राष्ट्रवाद के चोबदार इसलिए बनना चाहते हैं, ताकि सऊदी अरब की लकीर छोटी की जा सके। क्वालालंपुर ओआईसी की बैठक में तुर्की ने रोहिंग्या से लेकर शिन्चियांग, सीरिया-यमन और कश्मीर में मुसलमानों के दमन के सवाल पर सऊदी अरब को घेरा था। उस समय पाकिस्तान, मलेशिया उसके साथ खड़े थे। लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नई दिल्ली संपादक हैं।

ज्ञान गंगा

चमत्कार एक भ्रम

सद्गुरु/ मेरे लिए तो चमत्कार वो है कि जैसे मैं कहीं बीच रास्ते में खड़ा हूं, आगे जाने के लिए कोई बस या दूसरा साधन नहीं है। मैं फंस गया हूं। तभी अचानक एक कार आई, मेरे पास आकर रुकी और फिर मुझे लेकर चल दी। उस समय मुझे ऐसा लगा कि ईश्वर ने खुद आकर मुझे बिठाया है। लोग ऐसी बातें बताते हैं, जिसे वे चमत्कार कहते हैं। जब बस ड्राइवर व कार ड्राइवर ने चमत्कार कर दिया तो फिर भला वही काम मैं क्यों करूं? इस धरती पर लोगों ने ईश्वर के बारे में बहुत ज्यादा बात करना शुरू कर दिया, क्योंकि उन्हें इंसान होने की विशालता का अहसास ही नहीं था। अगर उन्हें इंसान होने की विशालता का अंदाजा होता तो फिर वे किसी और चीज के बारे में बात ही नहीं करते। मुझे पता है कि आपको मेरी इस बात में अहंकार दिखेगा। तो अगर कोई कहता है, 'खुद को जानो' या फिर उसका सारा ध्यान इस इंसान यानी खुद को जानने पर होता है तो फिर वह भी बहुत अहंकारी हुआ। तो यह कोई अहंकारी होने या अहंकारी नहीं होने की बात नहीं है, यह सिर्फ जीवन को उसी तरह से देखने की बात है, जैसा कि वह है। ये जीवन को वैसा बनाने के बारे में नहीं है, जैसा आपको लगता है कि उसे होना चाहिए। जीवन को वैसा बनाने के बारे में नहीं है, जैसा कि वो सामाजिक या राजनैतिक रूप से सही समझा जाता है। बल्कि जीवन को वैसा देखने के बारे में है, जैसा वह है। तो आपको लगा कि बस नहीं आएगी, लेकिन एक बस आ गई, आपको लगा कि भगवान ने आपके लिए बस भेजी है। ऐसे में तो आप बुनियादी मानवता भी भूल जाएंगे, क्योंकि तब आप बस ड्राइवर का शुक्रिया तक अदा नहीं कर पाएंगे। मान लीजिए आप भूखे हैं, कोई आया और आपको खाना दे दिया। अगर आपने देखा कि कोई इंसान आपको आकर खाना दे रहा है तो आपके भीतर जबरदस्त कृतज्ञता (शुक्रिया) का भाव आएगा, लेकिन अगर आप सोच रहे हैं कि ईश्वर इस बेवकूफ के जरिए मेरे लिए खाना भेज रहे हैं, तब आप अपने आस-पास के इंसानों के प्रति कृतज्ञता का सहज भाव भी खो देंगे। यही वजह है कि ईश्वरीय लोग आज सबसे ज्यादा अहंकारी हो गए हैं। अगर आप जीवन को वैसा नहीं देखते, जैसा वह है तो आप उन चीजों को लेकर कल्पना करना शुरू कर देते हैं, जो आपके अनुभव में नहीं होतीं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यो में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

पर्यावरण के साथ किसान का भी नुकसान

राजेन्द्र चौधरी

किसान द्वारा धान की पराली को आग लगाने से सब परेशान हैं पर कई तरह के उपायों के बावजूद समस्या ख़त्म नहीं हुई है। वर्ष 2009 के बाद से, जब से पंजाब और हरियाणा ने कानून बनाकर धान की जल्दी रोपाई को गैरकानूनी बना दिया है, आग लगाने की समस्या बढ़ गई है। पहले जिस इलाके में धान जल्दी लग जाता था, वहां पराली के प्रबंधन के लिए पर्याप्त समय मिल जाता था, इसलिए आग कम लगती थी। अब देर से बुआई के कारण धान की कटाई के बाद गेहूं की बुआई के बीच कम समय मिलता है। कम्बाइन से कटाई का रकबा बढ़ने के कारण भी समस्या बढ़ गई है क्योंकि मशीन से धान की कटाई ज़मीन से काफी ऊपर से होती है और धान की पराली चिकनी होने के कारण उसकी जुताई करना मुश्किल होता है। इस के विघटन में भी ज्यादा समय लगता है। इसलिए किसान खेत को जल्दी खाली करने के लिए खेत में आग लगा देते हैं। आग लगाने का एक और कारण यह है कि यहां पर पराली का पशु चारे के तौर पर प्रयोग नहीं किया जाता। आग न लगाकर पराली का गैर-कृषि कार्य में उपयोग करना दोयम दर्जे का विकल्प है; सबसे अच्छा विकल्प तो इसका खेत में ही प्रयोग करना है। पराली का गैर-कृषि कार्य में प्रयोग वायु प्रदूषण की समस्या से तो निजात दिला सकता है परंतु इसके साथ ही खेत को मूल्यवान पोषक तत्वों से वंचित कर देता है, जिनकी आपूर्ति फिर बाहर से करनी पड़ती है। पराली का गैर-कृषि कार्य में प्रयोग ऐसे ही है जैसे कोई व्यक्ति अपनी जीवनशैली को बदलने के बजाय रक्तचाप नियंत्रण के लिए गोलियों पर भरोसा करे। पराली की जुताई को आसान बनाने हेतु धान को ज़मीन के पास से काटने वाली और पराली के टुकड़े करने वाली मशीन बन चुकी है। पर अभी भी ऐसी मशीनें किसानों को सहज उपलब्ध नहीं हैं। इस आशय की खबरें लगातार छप रही हैं कि वादा करने के बावजूद प्रशासन समय पर ये मशीनें किसानों को उपलब्ध नहीं करा रहा। किसानों के खिलाफ कार्रवाई करने से पहले, सरकार को ऐसी मशीनों की मुफ्त या नाममात्र लागत पर और समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। पराली को आग लगाने की समस्या का एक सहज उपाय है फसल चक्र में बदलाव। किसान धान-गेहूं को इसलिए नहीं छोड़ रहा क्योंकि इसके बराबर बचत किसी अन्य फसल में नहीं है। इसका कारण यह है कि इन फसलों को आमतौर पर न्यूनतम समर्थन मूल्य मिल जाता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा ईख समेत 23 फसलों के लिए की जाती है पर वास्तव में खरीदी नहीं होती। यहां तक कि पंजाब द्वारा हाल ही में पारित कानून ने भी केवल गेहूं और धान की न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम पर खरीदी को ही गैरकानूनी बनाया है। जब तक सरकार सब फसलों के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य को प्रभावी और लाभकारी नहीं बनाती तब तक किसान के लिए धान छोड़ना मुश्किल है। तब तक थोड़े से आसान उपायों से पराली को आग लगाने से बचा जा सकता है। हरियाणा-पंजाब के हज़ारों जैविक किसानों में से शायद ही कोई अपने खेत में आग लगाता हो। यदि जैविक किसान बिना आग लगाए पराली का प्रबंधन कर सकते हैं, तो स्पष्ट है कि तकनीकी और आर्थिक रूप से यह संभव है। जैविक किसान पराली को बेचते भी नहीं अपितु खरीद ज़रूर लेते हैं। यदि पशु चारे के लिए इसकी ज़रूरत नहीं होती, तो जुताई करके इसे मिट्टी में मिला दिया जाता है या इकट्ठा करके बाद में गोबर के साथ मिलाकर उच्च गुणवत्ता की खाद बना लेते हैं या कृषि अवशेषों से मिट्टी को ढक कर आच्छादन/मल्च के तौर पर प्रयोग करते हैं। दो कारणों से ऐसा प्रबंधन करने में जैविक किसानों को रासायनिक किसानों के मुक़ाबले आसानी होती है। जैविक खेत की मिट्टी में उपलब्ध सूक्ष्मजीवों के चलते पराली का विघटन जल्दी होता है और जैविक खेतों की बेहतर जल धारण क्षमता के चलते, पराली विघटन के लिए की गई सिंचाई के बाद रासायनिक खेत के मुक़ाबले जल्दी तैयार हो जाती है। वहीं गोबर-मूत्र से तैयार 'जीवामृत' जैसे देसी नुस्खों से मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ाकर रासायनिक किसान पराली के विघटन को तेज कर सकते हैं। अब ऐसे कुछ सस्ते उत्पाद सरकारी और वाणिज्यिक तौर पर भी उपलब्ध हैं। ऐसा करने से न केवल पोषक तत्वों का पुनर्चक्रण हो जाता है अपितु मिट्टी की जल धारण क्षमता में वृद्धि होती है तथा आच्छादन के तौर पर प्रयोग करने से खरपतवार नियंत्रण और नमी का संरक्षण भी होता है। इससे उत्पादकता बढ़ती है और कृषि लागत कम हो जाती है। इसलिए किसानों और किसान संगठनों को भी यह समझना चाहिए कि पराली जलाने से केवल वायु प्रदूषण ही नहीं होता, अपितु यह खुद किसान के लिए अपने पांव पर कुल्हाड़ी मारने और नोटों की गड्डी को आग लगाने के समान है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूसरी तिमाही में 55 फीसदी बढ़ा SBI का मुनाफा, 5,246 करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली।

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने बुधवार को बताया कि 30 सितंबर को खत्म हुई चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान फंसे हुए कर्ज में कमी के चलते उसका संचयी शुद्ध लाभ 55 प्रतिशत बढ़कर 5,246.88 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शेयर बाजार को बताया कि पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान उसका शुद्ध लाभ 3,375.40 करोड़ रुपये था। एसबीआई समूह की कुल आय समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बढ़कर 95,373.50 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 89,347.91 करोड़ रुपये थी। बैंक ने बताया कि 30 सितंबर 2020 तक कुल कर्ज के मुकाबले उसकी सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) घटकर 5.28 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 7.19 प्रतिशत थी। इस दौरान शुद्ध एनपीए भी घटकर 1.59 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2.79 फीसदी था। एकल आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ लगभग 52 प्रतिशत बढ़कर 4,574.16 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 3,011.73 करोड़ रुपये था। बैंक की कुल आय सितंबर 2020 तिमाही में बढ़कर 75,341.80 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 72,850.78 करोड़ रुपये थी।

इस सरकारी बैंक के करोड़ों ग्राहकों के लिए खुशखबरी, बदल गए ये नियम

मुंबई ।

अगर आपका खाता बैंक ऑफ बड़ौदा में है तो आपके लिए खुशखबरी है। खरब के मुताबिक इस सरकारी बैंक ने 1 नवंबर से लागू हुए नए नियम को वापस ले लिया है। वहीं बैंक के इस फैसले का फायदा करोड़ों ग्राहकों को मिलेगा। इस मामले में वित्त मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने एक बैंक खाते में प्रत्येक महीने में निऱ्शुल्क नकद जमा लेनदेन से संबंधित बदलावों को वापस लेने का फैसला किया है। आपको बता दें कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने 1 नवंबर, 2020 से प्रत्येक महीने मुफ्त नकद जमा और निकासी की संख्या में कुछ बदलाव किया था। बैंक ने प्रत्येक महीने में 5-5 निऱ्शुल्क जमा और निकासी लेनदेन को घटाकर तीन-तीन कर दिया था। हालांकि, बैंक ने मुफ्त लेनदेन की संख्या से अधिक लेनदेन के लिए शुल्कों में कोई बदलाव नहीं किया था। **RBI** के दिशानिर्देशों के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के किसी भी बैंक को अपनी सेवाओं के लिए उचित, पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से शुल्क लगाने की अनुमति होती है। बैंक ये शुल्क लागत के आधार पर लगा सकते है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य बैंकों ने भी सूचित किया है कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर उनका निकट भविष्य में शुल्कों में वृद्धि का कोई इरादा नहीं है। मूल बचत बैंक जमा (बीएसबीडी) खातों के बारे में मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के 60.04 करोड़ खातों पर किसी तरह का सेवा शुल्क लागू नहीं है।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, कोई बैंक नहीं लेगा सर्विस चार्ज

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने कुछ सरकारी बैंकों द्वारा बैंकिंग सर्विसेज के लिए सेवा शुल्क बढ़ाया जाने वाली अटकलों पर रोक लगा दी है। केंद्र सरकार ने कहा कि 60 करोड़ से अधिक बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (**Basic Savings Bank Deposit**) पर किसी तरह का सेवा शुल्क नहीं लिया जाता है।

जनधन खातों में कोई भी सेवा शुल्क लागू नहीं

वित्त मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि बैंक की ओर से जनधन खातों में कोई भी सेवा शुक्ल लागू नहीं होता है। वहीं नियमित बचत खाते, चालू खाते, नकद उधार खातों और ओवरड्राफ्ट खातों में भी ऐसा कोई शुल्क नहीं बढ़ाया गया है। सरकार के मुताबिक 60.4 करोड़ बेसिक सेविंग बैंक डिपॉजिट अकाउंट जिसमें 41 करोड़ से ज्यादा जन धन खाते हैं, पर रिजर्व बैंक के द्वारा मुफ्त सेवाओं में शामिल सेवाओं पर कोई सर्विस चार्ज नहीं लगाया गया है।

नकद जमा और निकासी में कुछ परिवर्तन किए

हालांकि बैंक ऑफ बड़ौदा ने 1 नवंबर, 2020 से प्रति माह मुफ्त नकद जमा और निकासी की संख्या के संबंध में कुछ परिवर्तन किए थे। बैंक ने नकज जमा राशि और निकासी की सीमा प्रति माह पांच से घटाकर तीन कर दी है, जिसमें इन मुफ्त लेनदेन से अधिक लेनदेन के लिए शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने जानकारी दी कि कोविड से जुड़ी स्थिति को देखते हुए उन्होंने इन परिवर्तनों को वापस लेने का निर्णय लिया है।

जानें शुल्क में बढोतरी पर नियम

वित्त मंत्रालय द्वारा साफ किया गया है भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार, पीएसबी सहित सभी बैंकों को उचित, पारदर्शी और भेदभावरहित तरीके से अपनी सेवाओं के एवज में इस पर आने वाले लागतों के आधार पर शुल्क लगाने की अनुमति है। फिर भी सरकारी बैंक संकेत दे चुके हैं कि कोरोना संकट की वजह से भी निकट भविष्य में शुल्क नहीं बढ़ाएंगे।

जीवन प्रमाण पत्र कभी भी दे सकते हैं ईपीएफओ पेंशन धारक

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के पेंशन धारक वर्ष में कभी भी अपना जीवन प्रमाण पत्र संबंधित कार्यालय में भेज सकते हैं। मध्य दिल्ली -ईपीएफओ कार्यालय के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त आलोक यादव ने बुधवार को यहां बताया कि नवंबर और दिसंबर में पेंशन धारकों के जीवन प्रमाण पत्र जमा कराने की भीड़ को रोकने के लिए यह प्रावधान किया गया है। प्रतिवर्ष नवंबर और दिसंबर माह में ईपीएफओ पेंशन धारकों को अपना जीवन प्रमाण पत्र ईपीएफओ कार्यालय या बैंक में जमा कराना होता है। श्री यादव ने बताया कि प्रमाण पत्र की अवधि जमा कराने की तिथि से एक वर्ष के लिए मान्य होगी। अगर किसी पेंशन धारक में एक जनवरी को जीवन प्रमाण पत्र जमा कराया था तो यह अगले वर्ष इसी तिथि तक मान्य होगा। नए प्रावधान के अनुसार पेंशन धारक वर्ष में कभी भी अपना जीवन प्रमाण पत्र दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि देशभर में तीन लाख से ज्यादा सामान्य सेवा केंद्रों-सीएससी को जीवन प्रमाण पत्र बनाने के लिए अधिकृत किया गया है। ईपीएफओ पेंशन धारक अपने नजदीकी सामान्य सेवा केंद्र से इस सेवा का लाभ ले सकते हैं। इसके अलावा यह सेवा बैंकों में भी जारी रहेगी। श्री यादव ने बताया कि जिन पेंशन धारकों को वर्ष 2020 में पी पी ओ जारी किया गया है , उन्हें जीवन प्रमाण पत्र जमा कराने की आवश्यकता नहीं है।

Punjab में कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शनों के चलते रेलवे को 1,200 करोड़ रुपये का नुकसान

नयी दिल्ली। पंजाब में कृषि कानूनों के खिलाफ 32 जगहों पर रेल पटरियों पर किसानों के विरोध प्रदर्शन के चलते रेलवे को लगभग 1200 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रेलवे के आंकड़ों के अनुसार प्रदर्शनों के कारण जारी नाकेबंदी की वजह से जरूरी सामान लाने वाली 2,225 से अधिक मालगाड़ियों का संचालन नहीं हो सका है। लगभग 1,350 मालगाड़ियों का संचालन रद्द करना पड़ा है या उनका मार्ग बदल दिया गया है। एक अधिकारी ने कहा, प्लेटफॉर्मों या रेल की पटरियों के निकट प्रदर्शनकारियों का धरना जारी है, जिसके चलते लगभग 1,200 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। संचालनात्मक और सुरक्षा चिताओं के चलते ट्रेनों की आवाजाही बंद है। प्रदर्शनकारी अचानक कुछ ट्रेनों को रोक चुके हैं और विभिन्न स्थानों विशेष रूप से जंडियाला, नाभा, तलवंडी साबो और बठिडा के आसपास छिटपुट नाकेबंदी जारी है। अधिकारी ने कहा, पंजाब में रेल पटरियों के कुछ हिस्सों में जारी नाकेबंदी के चलते मालगाड़ियों की आवाजाही और कृषि, उद्योग तथा बुनियादी ढांचे से संबंधित क्षेत्र के लिये जरूरी सामानों की उपलब्धता पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इससे पहले, रेल मंत्री पीयूष गोयल ने पंजाब के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर रेलगाड़ियों का संचालन फिर से शुरू करने से पहले रेल की पटरियों और संचालन कर्मियों की सुरक्षा का आश्वासन मांगा था।

सचिव तरूण बजाज ने दिए संकेत, वित्त मंत्री जल्द देंगी एक और प्रोत्साहन पैकेज का तोहफा

नई दिल्ली।

आर्थिक मामलों के सचिव तरूण बजाज ने मंगलवार को कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कोरोना वायरस संकट से प्रभावित अर्थव्यवसथा को गति देने के लिये जल्दी ही एक और प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा करेंगी। उन्होंने वीडियो कांफ्रेन्स के जरिये संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि वित्त मंत्रालय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों से मिले सुझावों और अनुरोधों पर गौर कर रहा है। बजाज ने कहा, 'वास्तव में हम उस पर चर्चा कर रहे हैं। तारीख के बारे में बताना मेरे लिये मुश्किल है लेकिन हमें विभिन्न क्षेत्रों से कई अनुरोध और टिप्पणियां मिली हैं। जल्दी ही उसकी घोषणा की जाएगी। वित्त मंत्री इस बारे में आपसे बात करेंगी।' सीतारमण ने पिछले महीने मांग को गति देने और पूंजी व्यय बढ़ाने को लेकर कुछ उपायों की घोषणा की थी। यह कोविड-19 महामारी फैलने के बाद तीसरा प्रोत्साहन पैकेज था। सरकार ने कोविड-19 संकट के प्रभाव से गरीबों और जरूरतमंदों को बचाने और उनकी मदद के लिये मार्च में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1.70 लाख करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की थी। उसके बाद मई में 20.97 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज की घोषणा की गयी। इसमें मुख्य रूप से आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने और दीर्घकालीन सुधारों पर गौर किया गया। खाद्य वस्तुओं की ऊंची कीमतों के बारे में बजाज ने कहा कि यह अस्थायी है और सरकार ने कीमतों को काबू में लाने के लिये कई उपाय किये हैं। उन्होंने कहा कि यह काफी हद तक 'लॉजिस्टिक' से जुड़ा है और नई फसल की आवक के साथ कीमतों में नरमी आ सकती है। पुनरूद्धार के बारे में आर्थिक मामलों के सचिव ने कहा कि 'लॉकडाउन' में ढील दिये जाने के बाद से पिछले कुछ महीनों से अर्थव्यवस्था में सुधार दिख रहा है तथा आने वाले महीनों में स्थिति और बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 स्थिति के बावजूद भारत की वृद्धि की कहानी अक्षुण्ण बनी हुई है।

87 फीसदी भारतीय कंपनियां 2021 में बढ़ाएंगी वेतन : सर्वे

नई दिल्ली।

इस साल की दूसरी और तीसरी तिमाही में कड़े फैसले लेने के बाद, भारतीय कंपनियां फिर से टैलेंट में निवेश करने के लिए तैयार दिख रही हैं। एक नए सर्वेक्षण में पता चला है कि 87 प्रतिशत कंपनियों ने कर्मियों का वेतन 2021 में बढ़ाने की योजना बनाई है, जबकि 2020 में 71 फीसदी ने ऐसा करने की योजना बनाई थी। इस साल सितंबर-अक्टूबर में हुए एओन सर्वे में शामिल कंपनियों में से 87 प्रतिशत ने कहा कि वे अगले साल वेतन में वृद्धि करेंगी, 61 प्रतिशत ने कहा कि वे 5-10 प्रतिशत के बीच सैलरी में बढ़ोतरी करेंगे। एओन एक वैश्विक पेशेवर सेवा फर्म है। एओन के पार्टनर नितिन सेठी ने कहा, ÷भारत में कोविड-19 महामारी और अर्थव्यवस्था पर इसके गहरे प्रभाव के बाद भी भारत में संगठनों ने जबरदस्त लचीलापन और परिपक्व दृष्टिकोण दिखाया है। 2020 की दूसरी और तीसरी तिमारी में कंपनियों ने कठोर निर्णय लिए और अब उपभोक्ताओं की मांग में सुधार के चलते वे टैलेंट में निवेश करने का मन बना रहा है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे ज्यादा वेतन वृद्धि प्रदान करने वाले सेक्टर में हाईटेक, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), आईटी इनेबल्ड सर्विस (आईटीईएस), लाइफ साइंसेस, ई-कॉमर्स और पेशेवर सेवाएं शामिल हैं। अध्ययन में 20 से अधिक उद्योगों से 1,050 कंपनियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया।

अमेरिकी चुनाव नतीजों से पहले शेयर बाजार में उछाल, सेंसेक्स 40,616 अंक पर हुआ बंद

मुबई :

शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही और सेंसेक्स 355 अंक की मजबूती के साथ बंद हुआ। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आने से पहले वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और कोटक बैंक में तेजी के साथ बाजार में मजबूती आयी। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 355.01 अंक यानी 0.88 प्रतिशत मजबूत होकर 40,616.14 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 95 अंक यानी 0.80 प्रतिशत उछलकर 11,908.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में इंडसइंड बैंक रहा। इसमें करीब 5 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, कोटक बैंक और टेक महिंद्रा में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी तरफ जिन शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें एचडीएफसी, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी और एल एंड टी शामिल हैं। कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों पर वैश्विक बाजारों का असर पड़ा। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम आने से पहले वैश्विक बाजारों में उत्साह दिखा। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव की मतगणना में वर्तमान राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रम के साथ कांटे के मुकाबले में पूर्व उप राष्ट्रपति एवं डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन आगे चल रहे हैं। ताजा रिपोर्ट में 538 'इलेक्टोरल कॉलेज सीट% में से बाइडेन के 225 और ट्रंप के 213 पर जीत दर्ज करने का दावा है। व्हाइट हाउस पहुंचने के लिए किसी को भी कम से कम 270 'इलेक्टोरल कॉलेज सीट% पर जीत दर्ज करनी होगी। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, सोल और टोक्यो लाभ के साथ बंद हुए जबकि हांगकांग नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 40.79 पर कारोबार कर रहा था। विदेशी विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 35 पैसे लुढ़ककर 74.76 पर बंद हुआ।

अमेरिकी चुनाव के बीच चमका सोना, चांदी में 1200 रुपए से ज्यादा की गिरावट

नई दिल्ली: भारतीय बाजारों में सोने की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। आज लगातार दूसरे दिन पीली धातु में मामूली तेजी दर्ज की गई है। रुपये के मूल्य में भारी गिरावट के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 111 रुपये की तेजी के साथ 50,743 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। हालांकि, चांदी की कीमत भी 1,266 रुपये की गिरावट के साथ 60,669 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई है। इससे पहले सोना 50,632 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की बात करें तो यह 61,935 पर बंद हुई थी।

सोने की कीमतें: बुधवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने का भाव 111 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़ गया। दिल्ली में 99.9 ग्राम शुद्धता वाले सोने का नया भाव अब 50,743 रुपये प्रति 10 ग्राम है। इससे पहले कारोबारी सत्र में सोने का भाव 50,632 रुपये पर बंद हुआ था। इसके साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव बढ़कर 1,895 डॉलर प्रति औंस रहा।

चांदी की कीमतें: दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को चांदी 1266 रुपये प्रति किलोग्राम घट गई। इसके दाम 60,669 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गए। अंतरराष ट्रीय बाजार में बुधवार को चांदी का भाव गिरकर 23.60 डॉलर प्रति औंस पर रही। डॉलर के मुकाबले रुपये में आज 35 पैसे की गिरावट आई और ये 74.76 के स्तर पर पहुंच गया।अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव परिणाम आने के पहले डॉलर के मजबूत होने के साथ बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपये 35 पैसे की गिरावट के साथ 74.76 (प्रारंभिक आंकड़ा) पर बंद हुआ।

उम्मीद से अधिक तेजी से पटरी पर लौट रही है इकॉनमी: केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर

नई दिल्ली।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा है कि अर्थव्यवस्था उम्मीद से अधिक तेजी से पटरी पर लौट रही है। जावड़ेकर ने बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में बिजली की मांग में वृद्धि और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए कहा कि अब अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है।

तेजी से पटरी पर लौट रही अर्थव्यवस्था

उन्होंने कहा, 'रेलवे की माल ढुलाई से प्राप्ति में वृद्धि, ऊंचा जीएसटी संग्रह, बिजली की मांग में बढ़ोतरी और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रवाह में सुधार से संकेत मिलता है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन बेहतर रहा है।' उन्होंने कहा, 'अर्थव्यवस्था उम्मीद से अधिक तेजी से पटरी पर लौट रही है।' जावड़ेकर ने कहा कि अच्छी बारिश की वजह से कृषि क्षेत्र की बिजली खपत कम रही है। वहीं रेलवे की बिजली खपत भी अभी कम है। इसके बावजूद बिजली की कुल मांग में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, 'बिजली की मांग में 12 प्रतिशत की वृद्धि से पता चलता है कि उत्पादन क्षेत्र की स्थिति अब पूरी तरह सामान्य हो चुकी है।'

हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को मंजूरी

उन्होंने बताया कि मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (**CCEA**) की बैठक में हिमाचल प्रदेश में 210 मेगावाट के एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई। इस परियोजना से 2,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल-जून की तिमाही में कोरोना वायरस महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन के चलते सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 23.9 प्रतिशत की जबर्दस्त गिरावट आई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 9.5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है।

जीएसटी संग्रह 1.05 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

इससे पहले वित्त सचिव तरुण बजाज ने भी मंगलवार को कहा था कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार हो रहा है और जल्द यह पटरी पर आ जाएगी। अक्टूबर में जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 1.05 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

BUG से बचने के लिए Google ने एंड्रॉयड यूजर्स से ये काम करने को कहा

नई दिल्ली

गूगल ने एंड्रॉयड स्मार्टफोन यूजर्स को सलाह दी है कि वह ब्राउजर में जीरो-डे बग से सुरक्षित रहने के लिए क्रोम ब्राउजर को अपडेट करें। जेडीनेट की रिपोर्ट के अनुसार, गूगल ने कहा कि बग का उपयोग अटैकर्स को एंड्रॉइड डिवाइसों पर क्रोम सुरक्षा सैंडबॉक्स को बायपास करने और बुनियादी ओएस पर चलाने के लिए किया गया था। तकनीकी दिग्गज ने जीरो-डे की संवेदनशीलता को ठीक करने के लिए एंड्रॉइड ब्राउजर के लिए क्रोम के लिए सुरक्षा अपडेट जारी किए हैं। यह तीसरी बार है जब पिछले दो सप्ताहों में गूगल थ्रेट एनालिसिस ग्रूप (टीएजी) टीम द्वारा खोजे गए क्रोम जीरो-डे की पहचान की गई है। पहले दो पहचान किए गए जीरो-डे सिर्फ डेस्कटॉप संस्करणों के लिए क्रोम को प्रभावित करते थे। वहीं तीसरा जीरो-डे बाकी दो से अलग हैं। फिलहाल गूगल ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या सभी जीरो-डे का उपयोग एक ही हैकिंग समूह द्वारा किया गया है, या अलग-अलग। गूगल प्रोजेक्ट जीरो के तकनीकी प्रमुख बेन हॉक्स के अनुसार, 10 नवंबर को जीरो-डे के पैच होने की उम्मीद है।

कैट ने अमेजन पर फेमा नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया

नई दिल्ली।

व्यापारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अमेजन पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति और विदेशी मुद्रा प्रबंधन कानून (फेमा) के उल्लंघन का आरोप लगाया है। कैट ने कहा कि अमेजन ने भारत में बहु-ब्रांड खुदरा गतिविधियों के संचालन के लिए भी सरकार से अनिवार्य अनुमति नहीं ली है

सभी निवेश फेमा नियमों का उल्लंघन

कैट के महासचिव प्रवीन खंडेलवाल ने बुधवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सार्वजनिक रूप में उपलब्ध विभिन्न दस्तावेज बताते हैं कि अमेजन ने अमेजन इंडिया में लगभग 35,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जो ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस है। उन्होंने कहा कि वास्तव में इस मंच पर बहु-ब्रांड खुदरा कारोबार हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगभग 4,200 करोड़ रुपये मोर रिटेल लिमिटेड (एक मल्टी-ब्रांड रिटेल कंपनी) में निवेश किए गए हैं, जिसे समारा कैपिटल के वैकल्पिक निवेश के जरिये अमेजन नियंत्रित करती है। वहीं अमेजन ने फ्यूचर कूपन प्राइवेट लिमिटेड में 1,430 करोड़ रुपये निवेश का निवेश किया है, लेकिन वास्तव में यह फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एक बहु-ब्रांड खुदरा कंपनी) में एक नियंत्रित निवेश है। खंडेलवाल ने कहा कि ये सभी निवेश फेमा नियमों का उल्लंघन हैं।

अमेजन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

कैट ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को भेजे पत्र में विभिन्न कानूनों के उल्लंघन के लिए अमेजन के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। कैट ने वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, प्रवर्तन निदेशालय, भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को पत्र भेजकर अमेजन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर, फरवरी के बाद सेवा क्षेत्र ने पहली बार अक्टूबर में वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली-

कोविड-19 के चलते लगाए गए प्रतिबंधों में राहत के बाद बाजार दशाओं में सुधार के चलते भारतीय सेवा क्षेत्र ने पिछले सात महीनों से जारी गिरावट का अंत करते हुए अक्टूबर में वृद्धि दर्ज की। एक मासिक सर्वेक्षण के मुताबिक अक्टूबर में भारत का सेवा कारोबार गतिविधि सूचकांक 54.1 रहा। यह आंकड़ा सितंबर में 49.8 था। आईएचएस मार्किट इंडिया सर्विस पर्चेसिंग मैनेजर्स सूचकांक (पीएमआई) फरवरी के बाद पहली बार 50 अंक से अधिक है। इस सूचकांक में 50 से अधिक अंक का अर्थ है कि सेवा गतिविधियों में बढ़ोतरी हो रही है। आईएचएस मार्किट की अर्थशास्त्री और संयुक्त निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने बताया यह उत्साहजनक है कि भारतीय सेवा क्षेत्र कोविड-19 महामारी के कारण खराब हुई स्थिति से उबर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि विनिर्माण क्षेत्र में सुधार अगस्त में ही शुरू हो गया था, लेकिन सेवा क्षेत्र में अब सुधार की शुरुआत हुई है। सेवा प्रदाताओं ने अक्टूबर में नए काम और व्यावसायिक गतिविधि में ठोस विस्तार के संकेत दिए। आईएचएस मार्किट ने बताया कि रोजगार के मोर्चे पर अक्टूबर में भी गिरावट हुई। लीमा ने कहा, 'सर्वेक्षण में प्रतिभागियों ने संकेत दिया कि छुट्टी पर गए कर्मचारी वापस नहीं लौटे थे और कोविड-19 के प्रकोप के डर से कर्मचारियों की आवक रुकी हुई है।% सर्वेक्षण में उम्मीद जताई गई कि कोविड-19 की वैक्सीन आने के बाद इस स्थिति में सुधार होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वदेश लौटे बैडमिंटन खिलाड़ी, BAI ने सरकार का किया आभार व्यक्त

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन संघ (बाई) ने जर्मनी में सारलॉरलक्स ओपन में हिस्सा लेने गए भारतीय खिलाडियों के एक कोच के कोरोना से संक्रमित होने के कारण क्वारेंटीन में रहने और उनकी स्वदेश वापसी में सहयोग करने के लिए विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ), जर्मन बैडमिंटन एसोसिएशन और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) का धन्यवाद किया है। इन खिलाड़ियों में लक्ष्य सेन, अजय जयराम और शुभंकर डे शामिल हैं। इसके अलावा लक्ष्य के पिता और कोच डी के सेन भी टीम के साथ गए थे और कोच के कोरोना संक्रमित होने के कारण पूरी टीम को टूर्नामेंट से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा था।कोच सेन के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद एहितायतन पूरी टीम को पांच दिनों के लिए क्वारेंटीन में रखा गया था। इसके पांच दिन बाद उनकी कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद उन्हें वापस भारत जाने की अनुमति प्रदान की गई। जर्मनी से भारत लौटे इन बैडमिंटन खिलाड़ियों को अब सात दिनों के होम क्वारेंटीन में रहना होगा। इससे पहले साई ने बैडमिंटन खिलाड़ियों अजय जयराम और शुभंकर डे के जर्मनी में क्वारंटीन समय के दौरान होटल में ठहरने और खाने-पीने के खर्च वहन किया था। साई ने मानवीय आधार पर 30 अक्टूबर से 10 नवंबर की अवधि में होने वाले खर्चों का भुगतान करने का फैसला किया था।

आईपीएल-13

पहली बार फाइनल में पहुंचना चाहेगी दिल्ली

दुबई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का लीग चरण खत्म हो चुका है। प्लेऑफ दौर की शुरुआत गुरुवार से मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाले पहले क्वालीफायर-1 मैच से हो रही है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाने वाले मैच को जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी। हारने वाली टीम बाहर नहीं होगी, बल्कि उसे क्वालीफायर-2 खेलने का मौका मिलेगा, जहां वो एलिमिनेटर मैच जीतने वाली टीम के सामने खेलेगी। पहले और दूसरे स्थान पर लीग चरण का अंत करने वाली टीमों को क्वालीफायर-1 में खेलने का मौका मिलता है, और इन दोनों टीमों के पास फाइनल में पहुंचने के दो मौके होते हैं जबकि तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों को फाइनल में पहुंचने के लिए दो जीत हासिल करनी पड़ती हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने तीसरे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने चौथे स्थान पर रहते हुए प्लेऑफ में जगह बनाई है। यह दोनों टीमें एलिमिनेटर मुकाबला खेलेंगी, और जीतने वाली टीम फिर क्वालीफायर-2 में पहले क्वालीफायर में हार कर आने वाली टीम से भिड़ेगी। चार बार की विजेता मुंबई एक बार फिर फाइनल की रेस में है और दावेदारी भी मजबूती से पेश कर रही है। वहीं दिल्ली ने आज तक आईपीएल फाइनल नहीं खेला है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम अपने 12 साल के इस सूखे को 13वें सीजन में खत्म करना चाहेगी और उसमें इसकी काबिलियत भी है। दोनों टीमों का पूरे सीजन का प्रदर्शन देखा जाए तो अच्छा रहा है। सबसे अच्छी बात यह है कि यह दोनों टीमें संतुलित रही हैं और किसी एक खिलाड़ी के ऊपर निर्भर नहीं हैं, जो उनकी ताकत है। सीजन की शानदार शुरुआत करने वाली दिल्ली ने लीग चरण के अंत में अपनी फॉर्म गंवा दी थी, लेकिन आखिरी मुकाबला जीत उसने अपना आत्मविश्वास भी हासिल किया और प्लेऑफ में जगह भी। बल्लेबाजी में दिल्ली के लिए अच्छी खबर यह रही थी कि अजिंक्य रहाणे ने फॉर्म में वापसी की और बेंगलोर के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारी खेल टीम को जीत दिलाई थी। रहाणे कुछ मैचों में विफल रहे थे, लेकिन अहम मैच में उन्होंन बल्ले से रन निकाल टीम की मदद की थी। शिखर धवन के साथ उन्होंने बेहतरीन साझेदारी की। धवन भी शानदार फॉर्म में हैं और लगातार अच्छी पारियां खेलते आ रहे हैं। उनके सलामी जोड़ीदार पृथ्वी शॉ का बल्ला जरूर शांत है। मुंबई के खिलाफ शॉ के कंधों पर भी बड़ी जिम्मेदारी होगी। कप्तान श्रेयस अय्यर भी फॉर्म में हैं। मार्कस स्टोइनिस से टीम निचले क्रम में आतिशी बल्लेबाजी की उम्मीद करेगी। टीम ने पिछले मैच में शिमरन हेटमायेर को बाहर रखा था। अगर हेटमायर को इस मैच में लाया जाता है तो कौन सा खिलाड़ी बाहर बैठेगा यह देखना होगा। ऋषभ पंत टीम के लिए अहम खिलाड़ी हैं और उनका चलना भी टीम के लिए काफी जरूरी है। गेंदबाजी में कैगिसो रबादा, एनरिक नॉर्टजे ने दमदार प्रदर्शन किया है। मुंबई के मजबूत बल्लेबाजी क्रम को रोकना और उसे बड़ा स्कोर नहीं बनाने देना, इस काम को अंजाम देना इन दोनों के हाथों में होगा। अगर यह दोनों शुरुआत कर देते हैं, तो बीच में रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल किसी भी बल्लेबाजी क्रम को रोकने का दम रखते हैं।

वार्नर लगातार 6 आईपीएल सीजन में 500 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज

शारजाह।

आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लगातार छह सीजन में 500 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वार्नर ने मंगलवार को आईपीएल-13 के अंतिम लीग चरण मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 85 रनों की नाबाद पारी खेली। उन्होंने इस सीजन के 14 मैचों में अब तक 529 रन बनाए हैं और वह सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। वार्नर ने 2019 सीजन में 12 मैचों में 692 रन बनाए थे। वहीं, बैन के कारण वह 2018 में आईपीएल में नहीं खेल पाए थे। 2017 में उन्होंने 641, 2016 में 848 रन बनाए थे, जब उनकी टीम चैंपियन बनी थीं।

वार्नर ने 2015 में 562 तथा 2014 में 528 रन बनाए थे। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने आईपीएल में 140 मैचों में अब तक 5235 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक भी शामिल हैं। वार्नर की हैदराबाद टीम प्लेऑफ में पहुंच चुकी है, जहां शुक्रवार को उसका सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से होगा।

हॉकी झारखंड की नई वेबसाइट शुरू

रांची । झारखंड के हॉकी खिलाड़ियों को बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के उद्देश्य और कई नई विशेषताओं के साथ हॉकी झारखंड की नई वेबसाइट शुरू हो गई है। झारखंड के परिवहन सचिव के रवि कुमार और राज्य सरकार के खेल निदेशक जीशान कमर ने बुधवार को यहां एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम मोरहाबादी के परिसर में स्थित हॉकी झारखंड के कार्यालय में संयुक्त रुप से वेबसाइट डब्लूडब्लूडब्लू डॉट हॉकीझारखंड डॉट कॉम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष और झारखंड ओलंपिक संघ के महासचिव मधुकांत पाठक और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इससे पहले हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। हॉकी झारखंड की इस नई लुक वेबसाइट में कई नई विशेषताएं हैं। अब इसमें झारखंड राज्य के हॉकी खिलाड़ियों का डेटा बेस है। हॉकी झारखंड से जुड़ी कोई भी जानकारी अब दुनिया भर में कोई भी एक क्लिक में हासिल कर सकता है। इस अवसर पर हॉकी झारखंड के महासचिव बिजय शंकर सिंह, उपाध्यक्ष शशिकांत प्रसाद, अरविन्द कुमार तुफानी,अश्रिता लाकड़ा, माईकल लाल, रजनीश कुमार, बबलू कुमार आदि उपस्थित थे।

सैमुअल्स ने पेशेवर क्रिकेट से लिया संन्यास

सेंट लूसिया।

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज मार्लन सैमुअल्स ने पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख जॉनी ग्रेव ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से इसकी पुष्टि की है। सैमुअल्स ने दिसंबर 2018 में अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने बोर्ड को बताया था कि वह जून में संन्यास ले रहे हैं। 39 साल के सैमुअल्स ने वेस्टइंडीज के लिए 71 टेस्ट, 207 वनडे और 67 टी-20 मुकाबले खेले हैं। उनके नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 11 हजार से ज्यादा रन है। इसके अलावा उन्होंने गेंदबाजी में भी 150 से ज्यादा विकेट लिए हैं। सैमुअल्स ने वेस्टइंडीज के लिए दो टी-20 विश्व कप जिताने में अहम योगदान दिया था। उन्होंने 2012 में श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 56 गेंद पर 78 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा उन्होंने 2016 टी-20 विश्वकप के फाइनल में कोलकाता में इंग्लैंड के खिलाफ 85 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। पूर्व आलराउंडर सात टी-20 फ्रेंचाइजी में भी खेल चुके हैं। इनमें पुणे वॉरयर्स, दिल्ली डेयरडेविल्स, मेलबर्न रेनेगेडस और पेशावर जाल्मी शामिल है। उन्होंने आईपीएल में 15 मैचों में 161 रन बनाने के अलावा नौ विकेट भी चटकाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

मस्तिष्क में रक्तस्राव के लिए माराडोना की होगी सर्जरी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना की 1986 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान और दिग्गज फुटबालर डिएगो माराडोना के मस्तिष्क में रक्तस्राव के लिए सर्जरी होगी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने उनके डॉक्टर के हवाले से बताया कि मंगलवार रात उनकी सर्जरी शुरू होने की संभावना है। माराडोना को सबड्यूरल हेमेटोमा था, जिसका मतलब एक झिल्ली और मस्तिष्क के बीच रक्त जमा होना है। माराडोना के निजी चिकित्सक लियोपोल्डो लुके ने कहा कि यह एक नॉर्मल सर्जरी होगी। उन्होंने कहा, हम आज यह शुरू करने जा रहे हैं। वह इसे समझते हैं और इस पर सहमत हो गए हैं। 60 वर्षीय माराडोना को सोमवार को देश के दक्षिण में स्थित ला प्लाटा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 1997 में अपने करियर को विराम देने के बाद से ही वह लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे हैं। दिल की बीमारी के कारण उन्हें 2004 में भी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके अलावा 2019 में भी उनके घुटने का ऑप्रेशन किया गया था। पिछले साल जिम्नेसिया एस्ग्रिमा के कोच बनने वाले माराडोना पिछले शुक्रवार को लोगों के बीच दिखे थे, जहां उन्होंने अपना 60वां जन्मदिन मनाया था। वह उस रात जिम्नेसिया के राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पैट्रोनाटो के खिलाफ मैच में दिखे थे। चार फीफा विश्व कप खेल चुके माराडोना ने अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को 1986 में विश्व कप जिताया था।

कप्तान के रिव्यू लेने पर मैदानी अंपायर का फैसला हटा देना चाहिए : वार्न

शारजाह। आस्ट्रेलिया के दिग्गज लेग स्पिनर शेन वार्न का मानना है कि एक बार कप्तान द्वारा रिव्यू लेने के बाद ऑन फील्ड अंपायर के फैसले को हटा दिया जाना चाहिए। वार्न ने मंगलवार शाम ट्विटर पर कहा, मैं इस बारे में बोलता रहूंगा। अगर कोई कप्तान रिव्यू लेता है तो मैदानी अंपायर के फैसले को हटा देना चाहिए, क्योंकि आपके पास एक ही बॉल नहीं हो सकती है, जो आउट या नॉट आउट हो। एक बार ऐसा होने के बाद यह आसान और स्पष्ट होगा, फिर चाहे वो आउट हो या नॉट आउट हो। उन्होंने आगे कहा, इससे यह भी साफ हो जाएगा कि इससे अंपायरों को अपने फैसले लेने का अधिकार मिल रहा है या नहीं। अंपायर कॉल होने से अंपायर के प्रदर्शन के सारांश में मदद मिलती है। ओरिजनल ऑन फील्ड निर्णय खत्म किया जाए, जिससे कोई अंपायर कॉल नहीं होगी। दिग्गज लेग स्पिनर वार्न का यह बयान आईपीएल-13 में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गए उस मैच के बाद आया है, जिसमें मुंबई के कीरोन पोलार्ड को अंपायर कॉल के आधार पर नॉट आउट दिया गया था। मैच के 15वें ओवर में लेग स्पिनर राशिद खान ने पोलार्ड के खिलाफ पगबाधा की अपील की थी, जिसे मैदानी अंपायर ने नॉट आउट करार दिया था। इसके बाद हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर ने इस पर रिव्यू लिया था। इस रिव्यू पर थर्ड अंपायर ने फील्ड अंपायर कॉल के साथ रहने का फैसला किया और पोलार्ड को नॉट आउट करार दिया था।

स्टायरिस ने बताया, आईपीएल में चहल क्यों हैं सफल

दुबई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने शानदार प्रदर्शन किया है और प्लेऑफ में जगह बनाई है। उसके इस प्रदर्शन की एक बड़ी वजह लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल का शानदार फॉर्म रहा है। चहल ने लीग चरण के 14 मैचों में 20 विकेट लिए हैं और अभी इस समय लीग में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पांच में हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी स्कॉट स्टायरिस ने बताया है कि चहल ने अपनी गेंदबाजी शैली में कुछ बदलाव किए हैं और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की स्थितियों को अच्छे से समझ कर उनके साथ तालमेल बिठाया है जिससे उन्हें विकेट लेने में मदद मिली है और इसलिए बेंगलोर को भी मदद मिली। स्टायरिस ने स्टार स्पोटर्स के शो पर कहा, पहले इस बात पर ध्यान दीजिए की चहल ने 2020 में विकेट कहां लिए हैं और किस लैंथ पर गेंद डाली है। जिसमें से 12 फुल लैंग्थ की गेंदों पर मिले विकेट हैं और पांच गुड लैंग्थ। अब 2019 में देखिए, जहां वे बेंगलोर के लिए शानदार प्रदर्शन करने में सफल रहे थे, उन्होंने 15 विकेट गुड लैंथ और सिर्फ तीन विकेट ही फुल लैंथ पर लिए। उन्होंने कहा, यह मुझे कुछ चीजें बताती हैं कि यूएई में फुल लैंथ पर गेंदबाजी करना असरदार है क्योंकि भारत और यूएई में अलग-अलग स्थितियां हैं इसलिए वे फुल लैंथ पर गेंदबाजी कर रहे हैं। आप किस तेजी से गेंदबाजी करते हैं यह भी काफी अहम है। स्टायरिस के मुताबिक, चहल हवा मे गेंद को धीमा फेंक रहे हैं और गेंद को आगे भी डाल रहे हैं जिसके चलते वे बल्लेबाज को ड्राइव करने के लिए बुला रहे हैं और गलती करने पर मजबूर कर रहे हैं। उन्होंने कहा, वह गेंद को आगे डालने और बल्लेबाज को ड्राइव कराने की कोशिश कर रहे हैं।

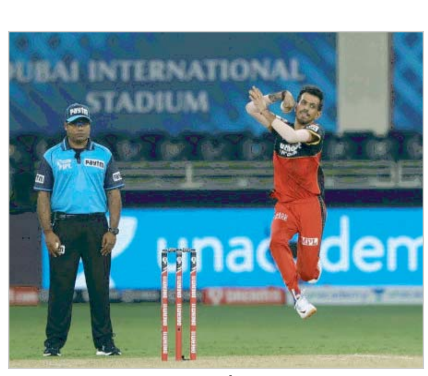

आईसीसी वनडे रैंकिंग : कोहली, रोहित ने कायम रखे अपने स्थान

दुबई। भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली और रोहित शर्मा ने आईसीसी की जारी ताजा रैंकिंग में अपने शीर्ष-2 स्थान कायम रखे हैं। पाकिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज के बाद बुधवार को ताजा वनडे रैंकिंग जारी की गई। पाकिस्तान के हरफनमौला खिलाड़ी इमाद वसीम ने बल्लेबाजी रैंकिग में तीन स्थान आगे बढ़ते हुए 49वें स्थान पर कब्जा जमा लिया है। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम तीसरे स्थान पर हैं, लेकिन उनके रेटिंग अंकों में आठ अंकों का इजाफा हुआ है। आजम ने तीन मैचों की सीरीज में 221 रन बनाए, जिसमें आखिरी मैच में खेली गई 125 रनों की पारी भी शामिल है। जिम्बाब्वे की तरफ से ब्रेंडन टेलर और सीन विलियम्स को फायदा हुआ है। टेलर नौ स्थान आगे बढ़ते हुए 42वें नंबर पहुंच गए हैं। उन्होंने कुल 204 रन बनाए, जिसमें पहले मैच में खेली गई 112 रनों की पारी भी शामिल है। विलियम्स 12 स्थान की छलांग के साथ 46वें नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने तीन मैचों में 197 रन बनाए। विलियम्स ने आखिरी मैच में नाबाद 118 रन बनाए। तेज गेंदबाजों में न्यूजीलैंड के ट्रेंट बाउल्ट पहले स्थान पर कायम हैं। उनके बाद भारत के जसप्रीत बुमराह हैं। पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी अपने करियर की सर्वोच्च रैंकिंग 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं। शाहीन को आठ स्थान का फायदा हुआ है। पाकिस्तान के एक और गेंदबाज वहाब रियाज को भी हालिया रैंकिंग में फायदा हुआ है। वह छह स्थान आगे बढ़ते हुए 60वें स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने दो मैचों में पांच विकेट लिए हैं जिसमें दूसरे मैच में 41 रन देकर चार विकेट लिए थे।

पाकिस्तान में घरेलू क्रिकेटर कोविड पॉजिटिव

कराची। पाकिस्तान के घरेलू टूर्नामेंट कायद-ए-आजम में हिस्सा लेने वाला एक क्रिकेटर कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया है। वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, बलूचिस्तान के विकेटकीपर बिस्मिल्लाह खान में दक्षिण पंजाब के साथ खेले जा रहे दूसरे राउंड के मैच में बीमारी के लक्षण दिखे थे, लेकिन चौथे दिन तक उनका टेस्ट नहीं लिया गया। इसके बाद अदनान अकमल ने मैदान पर उनका स्थान लिया। इस मामले के कारण मौजूदा टूर्नामेंट पर काले बादल छा गए हैं, क्योंकि टर्नामेंट की सभी छह टीमें एक ही होटल में रुकी हैं। इसी बीच, आबिद अली, इमाम उल हक और हैरिस सोहेल को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के खत्म होने के बाद पाकिस्तान की राष्ट्रीय टीम से रिलीज कर दिया गया है। आईसीसी विश्व कप सुपर लीग के तहत इन दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज पर पाकिस्तान ने 2-1 से कब्जा किया है। दोनों टीमें अब सात, आठ और 10 नवंबर को पिंडी क्रिकेट स्टेडियम में तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलेंगी।

फेडरर-नडाल की प्रतिद्वंदिता वैश्विक स्तर पर भी महान : सिंधु

मुंबई।

भारतीय महिला टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने कहा है कि स्विट्जरलैंड के पुरुष खिलाड़ी रोजर फेडरर और स्पेन के राफेल नडाल टेनिस के दो महान खिलाड़ी हैं और वो सिर्फ इसलिए नहीं कि इन दोनों के बीच बेहतरीन प्रतिद्वंदिता है बल्कि इसलिए कि दोनों के दिल में एक-दूसरे के प्रति बेहद सम्मान है। सानिया मिर्जा इंटरनेशनल प्रीमियर टेनिस लीग (आईपीटीएल) में इनके साथ टीम में रह चुकी हैं। उन्होंने हाल ही में इन दोनों महान खिलाड़ियों के बीच की प्रतिद्वंदिता पर बात की। मिर्जा ने कहा, वह जिस तरह से कोर्ट के अंदर और बाहर एक दूसरे के बारे में बात करते हैं वो शानदार है। मैंने आईपीटीएल का हिस्सा बन कर यह देखा है। जहां मैं नडाल की टीम में थी और एक साल बाद या उससे पहले फेडरर की टीम में भी थी। वह दोनों एक दूसरे के बारे में बहुत अच्छी बातें करते हैं। मिर्जा ने यह बात डिस्कवरी प्लस पर दिखाई जा रही डॉक्यूमेंट्री स्ट्रोक्स ऑफ जीनियस के प्रीमियर के इतर कही। मिर्जा ने कहा, कोर्ट पर, जाहिर सी बात है कि उन्होंने आपस में कुछ शानदार मैच खेले हैं और उनका शानदार इतिहास है, लेकिन मुझे लगता है कि कोर्ट के बाहर की चीजें इसे विशेष बनाती हैं। उन दोनों में एक दूसरे के प्रति काफी सम्मान है और जब वह खेलते हैं तो इस चीज को देखा जा सकता है। भारत की ओलम्पिक रजत पदक विजेता महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी. सिंधु ने कहा ने इस प्रतिद्वंदिता को टेनिस में ही नहीं बल्कि सभी खेलों में महानतम बताया है। सिंधु ने कहा, मुझे लगता है कि रोजर और नडाल दोनों महान खिलाड़ी हैं टेनिस में ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर क्योंकि यह दोनों असल मायनों में चैम्पियन है। इन दोनों ने हमें कई मायनों में प्रभावित किया है।

उन दोनों को खेलते देखना हमारे लिए उत्सव की तरह है। सिंधु ने कहा, मैं 2004 में काफी युवा थी जब मियामी में नडाल ने फेडरर के खिलाफ मुकाबला जीता था। मैंने जब यह देखा तो मुझे काफी प्रेरणा मिली।

औरेंज कैप राहुल के पास, पर्पल कैप रबादा के पास बरकरार

शारजाह। आईपीएल-13 में लीग चरण मैचों की समाप्ति के बाद किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल और दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज कगिसो रबादा के पास क्रमशः औरेंज कैप और पर्पल कैप बरकरार है। राहुल अभी भी लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और इसलिए औरेंज कैप भी उन्हीं के पास है। राहुल ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए अंतिम मैच में 29 रन बनाए थे और इसी के साथ उन्होंने टूर्नामेंट का अंत 14 मैचों में 670 रनों के साथ किया। चेन्नई ने पंजाब को नौ विकेट से हरा दिया था हालांकि चेन्नई टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। राहुल के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वार्नर ने मंगलवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ 85 रनों की नाबाद पारी खेली। वार्नर के 14 मैचों से अब 529 रन हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के शिखर धवन तीसरे नंबर है जिनके नाम 14 मैचों में 525 रन हैं। गेंदबाजों की सूची में रबादा 14 मैचों से 25 विकेट शीर्ष पर हैं। उनके बाद मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह 13 मैचों में 23 विकेटों के साथ दूसरे और राजस्थान रॉयल्स के जोफरा आर्चर 14 मैचों में 20 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर है। लीग में गुरुवार से प्लेऑफ के मुकाबले खेले जाएंगे। गुरुवार को पहले क्वालीफायर में मुंबई इंडियंस का सामना दिल्ली कैपिटल्स से, जबकि शुक्रवार को एलिमिनेटर में हैदराबाद का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुशांत सिंह राजपूत और दिशा सालियान को लेकर बंबई उच्च न्यायालय ने सुनाया बड़ा फैसला

बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को एक वकील से उस याचिका की प्रति महाराष्ट्र सरकार को देने को कहा जिसमें दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व प्रबंधक दिशा सालियान की मौत की अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच का आग्रह किया गया है। यह याचिका वकील पुनीत ढांडा ने दायर की है और दावा किया है कि राजपूत और सालियान की मौत के मामले आपस में जुड़े हुए हैं क्योंकि ये संदिग्ध परिस्थितियों में हुई हैं। यह याचिका सुनवाई के लिए बुधवार को जब आई तो याचिकाकर्ता के वकील विनीत ढांडा ने न्यायमूर्ति के के तातेड और न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी की पीठ से कहा कि सालियान की मौत आठ जून और राजपूत की मृत्यु 14 जून को हुई थी। विनीत ढांडा ने दलील दी, मुंबई पुलिस ने अपना काम नहीं किया और मौत के मामलों की जांच उचित तरीके से नहीं की।

मामले (दोनों मौतों) को लेकर देश में काफी हंगामा हुआ। सरकारी वकील ने पीठ को बताया कि राज्य सरकार को याचिका की प्रति नहीं दी गई है। इस पर ढांडा ने दावा किया कि वह पहले ही प्रति दे चुके हैं लेकिन फिर से दे देंगे। पीठ ने कहा, आप (याचिकाकर्ता) सेवा का एक हलफनामा दायर करें और उन्हें (सरकार को) एक और प्रति दें। इसके बाद मामले को आगे की सुनवाई के वास्ते 26 नवंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया। याचिकाकर्ता पुनीत ढांडा पहले उच्चतम न्यायालय गए थे लेकिन शीर्ष अदालत ने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए उन्हें उच्च न्यायालय जाने को कहा था। सालियान (28) की आठ जून 2020 को मलाड की एक आवासीय इमारत के 14वें माले से गिरने से मौत हो गई थी। राजपूत (34) 14 जून को बांद्रा स्थित अपने फ्लैट में फंदे से लटके मिले थे।

बॉलीवुड अभिनेता फराज खान का 46 की उम्र में निधन, लंबे समय से चल रहे थे बीमार

बॉलीवुड में नब्बे के दशक की 'फरेब' और 'मेहंदी' जैसी फिल्मों में काम करने वाले अभिनेता फराज खान का 46 वर्ष की आयु में बुधवार को बेंगलुरु में निधन हो गया। अभिनेत्री और फिल्मकार पूजा भट्ट ने सोशल मीडिया पर खान के निधन की जानकारी दी। भट्ट ने कहा, 'भारी मन से कहना पड़ रहा है कि फराज खान का निधन हो गया है। आप सभी के द्वारा दी गई सहायता और शुभकामनाओं के लिए आभार। कृपया उनके परिवार के लिए प्रार्थना करें। उनके जाने से जो क्षति हुई है उसे कोई पूरा नहीं कर सकता।' बॉलीवुड अभिनेता युसूफ खान के बेटे फराज को कई बार दौरे आने के बाद पिछले महीने बेंगलुरु के विक्रम अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

फराज के इलाज के लिए उनके रिश्तेदार फरहद अबूशर और अहमद शमून ने धनराशि एकत्रित करने का अभियान चलाया था। पूजा भट्ट ने पिछले महीने फराज के इलाज के लिए लोगों से वित्तीय मदद देने की अपील की थी। इसके बाद सलमान खान ने फराज की चिकित्सा में होने वाले खर्च का भुगतान किया था। फराज ने 1996 में विक्रम भट्ट की फिल्म 'फरेब' से बॉलीवुड में पदार्पण किया था।

रोहित शेट्टी की फिल्म 'सर्कस' के सेट पर जाने के लिए बेताब हूं जैकलीन फर्नांडीज

बॉलीवुड की सनशाइन जैकलीन फर्नांडीज कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुकी हैं और जल्द ही रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित 'सर्कस' की शूटिंग शुरू करेंगी।

रोहित की प्रशंसा करते हुए जैकलीन कहती है, 'ऐसी फिल्में बनाना आसान नहीं है जो आपका मनोरंजन करे, आपको हँसाएँ और अच्छा महसूस कराएँ। रोहित शेट्टी ऐसे व्यक्ति है जिनका नाम मनोरंजक और कॉमर्शियल सिनेमा के बारे में सोचने पर सबसे पहले आता है।

मैंने हमेशा उनकी फिल्मों को देखना एन्जॉय किया है और इसमें लगने वाली कड़ी मेहनत से पूरी तरह परिचित हूं। उनके साथ काम करने के लिए रोमांचित हूं और मैं उनके सेट पर जाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ।'

जैकलीन जो खुद कड़ी मेहनत करने के लिए जानी जाती हैं, वह इस प्रोजेक्ट में दोगुनी मेहनत और मस्ती का डोज़ भरने के लिए तैयार हैं।

सर्कस की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है और अभिनेत्री इस पॉवर डायरेक्टर के साथ अपना जादू बिखरने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

अभिनेत्री ने हाल ही में मुंबई में एक प्रोजेक्ट पूरा किया जाए जिसके बाद वह तुरंत 'भूत पुलिस' की शूटिंग के लिए धर्मशाला रवाना हो गई और जल्द रणवीर सिंह के साथ रोहित शेट्टी की सर्कस का रूख करेंगी। जैकी के व्यस्त शूट कैलेंडर में अगला नाम सलमान खान के साथ 'किक 2' का है।

करिश्मा प्रकाश ने KWAN से दिया इस्तीफा,एजेंसी बोली- अब उनका दीपिका पादुकोण से कोई नाता नहीं

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की मैनेजर करिश्मा प्रकाश ने ड्रग्स केस में फंसने के बाद टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी KWAN से इस्तीफा दे दिया है। एजेंसी के सह-संस्थापक और सीईओ विजय सुब्रमण्यम ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि KWAN ने उनके साथ सभी संबंध तोड़ लिए हैं और उनके इस्तीफे को तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है।

विजय ने अपने बयान में कहा, 'करिश्मा प्रकाश ने 21 अक्टूबर को अपना इस्तीफा दिया था और इसे स्वीकार कर लिया गया है। अब उनका KWAN या दीपिका पादुकोण सहित किसी भी ऐसे कलाकार से कोई लेना-देना नहीं है, जिनका प्रतिनिधित्व एजेंसी करती है। अभी जो जांच चल रही है, वो करिश्मा प्रकाश पर व्यक्तिगत रूप में चल रही है। हम मीडिया हाउस और पत्रकारों से अनुरोध करते हैं कि इस मुद्दे पर रिपोर्ट करते वक्त इस बात का ध्यान रखें।'

करिश्मा प्रकाश आज यानि 4 नवंबर को पूछताछ के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के ऑफिस पहुंचीं। बता दें, 27 अक्टूबर को करिश्मा के घर की तलाशी ली गई थी, जिसमें 1.7 ग्राम चरस और सीबीडी आयल की 3 बोतलें मिलीं। ड्रग्स बरामदगी के बाद करिश्मा को दो बार एनसीबी ने समन भेजा था।

अमिताभ बच्चन ने शाहरुख खान से मांगी माफी क्योंकि रेखा नहीं मानी

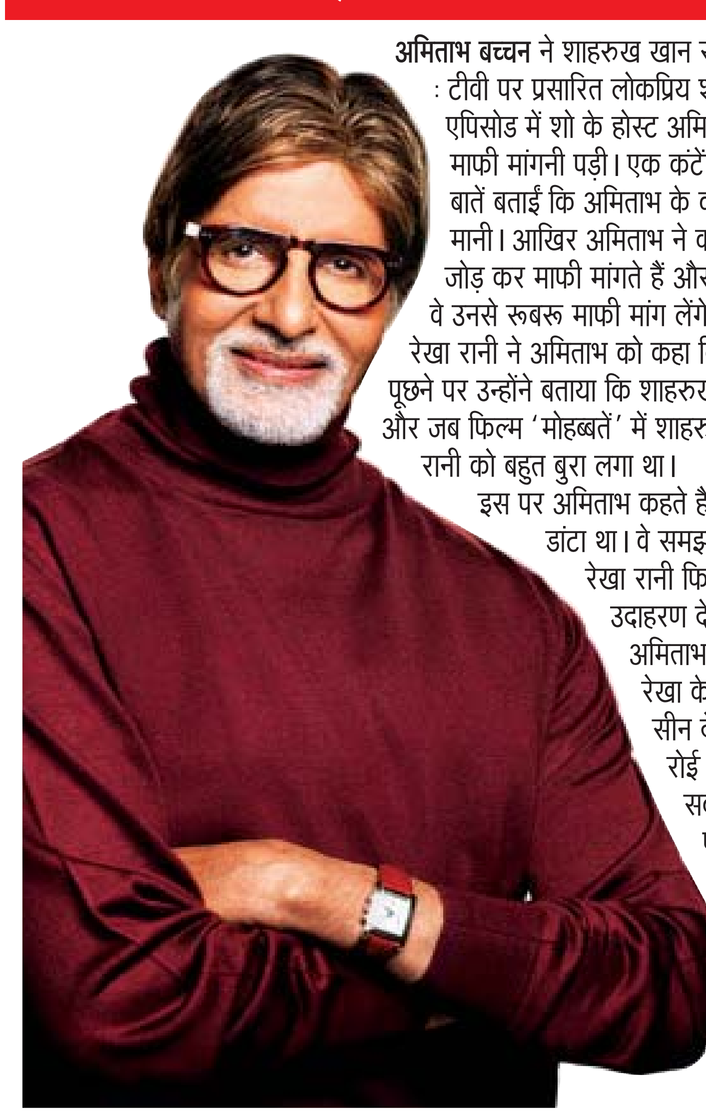

अमिताभ बच्चन ने शाहरुख खान से मांगी माफी क्योंकि रेखा नहीं मानी : टीवी पर प्रसारित लोकप्रिय शो कौन बनेगा करोड़पति के एक एपिसोड में शो के होस्ट अमिताभ बच्चन को शाहरुख खान से माफी मांगनी पड़ी। एक कंटेंस्टेंट रेखा रानी ने अमिताभ को ऐसी बातें बताईं कि अमिताभ के कई बार समझाने पर भी वे नहीं मानी। आखिर अमिताभ ने कहा कि वे शाहरुख खान से हाथ जोड़ कर माफी मांगते हैं और जब भी शाहरुख से मुलाकात होगी वे उनसे रूबरू माफी मांग लेंगे।

रेखा रानी ने अमिताभ को कहा कि वे एक बात से बेहद दुःखी हैं। पूछने पर उन्होंने बताया कि शाहरुख खान उनके पसंदीदा अभिनेता हैं और जब फिल्म 'मोहब्बतें' में शाहरुख को अमिताभ ने डांटा था तो रेखा रानी को बहुत बुरा लगा था।

इस पर अमिताभ कहते हैं कि शाहरुख ने भी अमिताभ को डांटा था। वे समझाते भी हैं पर रेखा रानी नहीं मानती। रेखा रानी फिल्म कभी ख़ुशी कभी गम का उदाहरण देते हुए कहती हैं कि इस फिल्म में अमिताभ, शाहरुख को घर से निकाल देते हैं। रेखा के अनुसार तब वे छोटी थीं और यह सीन देख कर बेहद दुःखी हो गई थीं और रोई भी थीं। अमिताभ कहते हैं कि यह सब उन्होंने स्क्रिप्ट के अनुसार किया, पर रेखा नहीं मानती। आखिरकार अमिताभ कहते हैं कि उन्हें दुःख है कि उन्होंने रेखा का दिल दुःखाया और वे शाहरुख से हाथ जोड़कर माफी मांगते हैं। इन दोनों फिल्मों में अमिताभ और शाहरुख साथ नजर आए थे।

जब तब्बू से बच्चा गोद लेने पर किया गया था सवाल, कहा था- अगर मैं चाहती तो ले लेती, लेकिन...

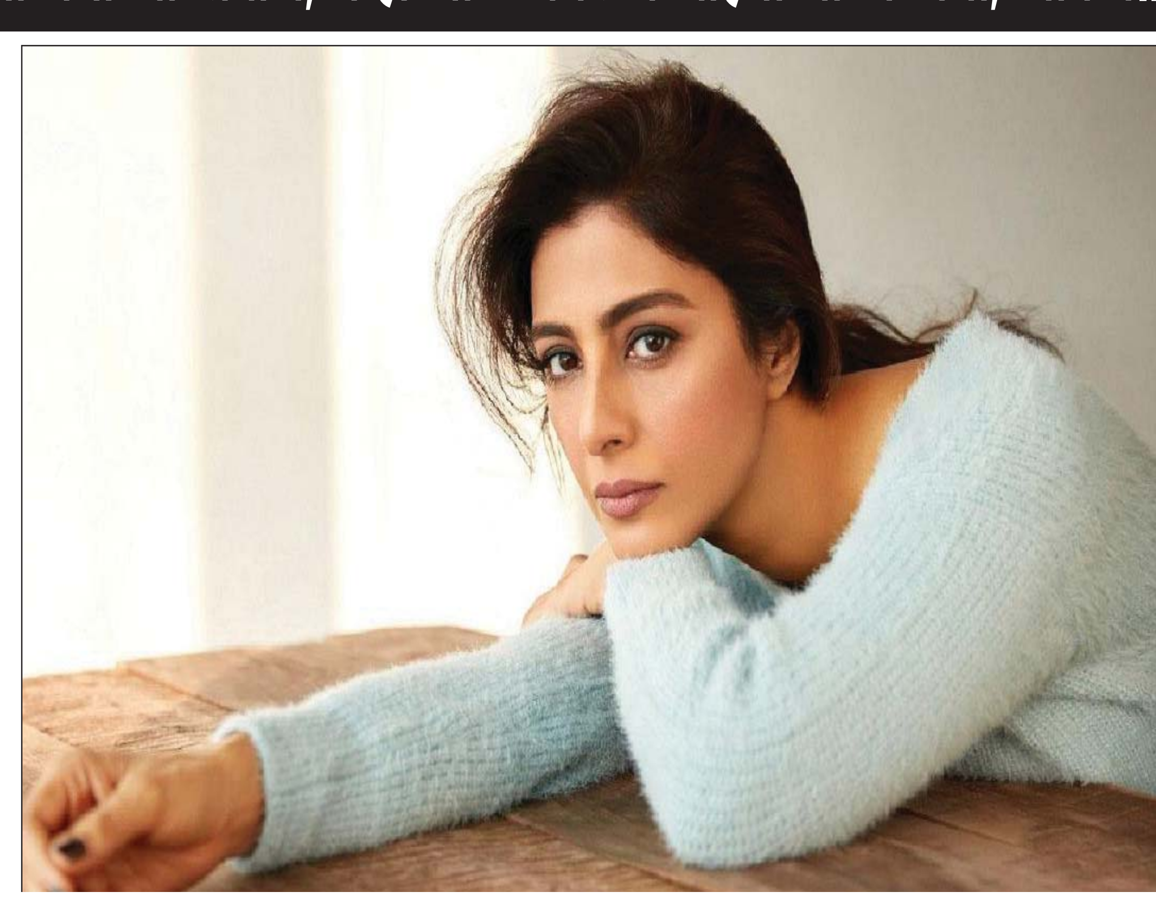

बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू अपना 50वां जन्मदिन मना रही हैं। तब्बू का पूरा नाम तबस्सुम फातिमा हाशिमा है। इंडियन सिनेमा जगत की सबसे फाइन एक्ट्रेसेस में से एक हैं। एक्टिंग और पावरफुल परफॉर्मेंस से तब्बू ने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई हुई है। आज भी वह इंडस्ट्री में काफी एक्टिव हैं। बता दें कि फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने वाली तब्बू के माता-पिता का डिवोर्स हो गया था, जब वह छोटी थीं।

कुछ समय पहले तब्बू से उनकी शादी न करने और बच्चा गोद लेने पर सवाल किया गया। इसपर तब्बू ने कहा था कि अगर मैं चाहती तो बच्चा गोद तो ले सकती थी, लेकिन मैं नहीं चाहती थी कि बच्चा दोनों माता-पिता के प्यार से वंचित रहे। माता-पिता का डिवोर्स तब हो गया था, जब मैं बहुत छोटी थी। हालांकि, इस चीज ने कभी मेरे अंदर के प्यार और शादी के विचार पर असर नहीं डाला।

बता दें कि तब्बू 50 की उम्र में भी सिंगल हैं, और वह मानती हैं कि प्यार होता है। कई बार तब्बू को इंटरव्जू में मां के हाथ की बिरयानी पर भी बात करते देखा गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि तब्बू वेजिटेरियन हैं? तब्बू फिटनेस को काफी महत्व देती हैं। खुद को फिट और हेल्दी रखने के लिए वह वीगन डायट फॉलो करती हैं। तब्बू को अपने बालों से बहुत प्यार है। फिल्म इंडस्ट्री में कई एक्ट्रेसेस हैं, जिन्होंने शारीरिक ट्रांसफॉर्मेशन कराया है। लेकिन, तब्बू ने कभी भी इस चीज में विश्वास नहीं रखा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी से चुनाव लड़ने वाले भारतीय मूल के 4 उम्मीदवार फिर जीते

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़े भारतीय मूल के चारों प्रत्याशियों - डॉ.एमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना और राजा कृष्णमूर्ति- ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर जीत दर्ज की है। अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में भारतीय-अमेरिकी समुदाय पहली बार एक बड़ी ताकत बनकर उभरा है और डेमोक्रेटिक तथा रिपब्लिकन, दोनों पार्टियों ने समुदाय के 18 लाख मतदाताओं को लुभाने के लिए कई कदम उठाए। फ्लोरिडा, जॉर्जिया, मिशिगन, नार्थ कैरोलिना, टेक्सास और पेनसिल्वेनिया जैसे कांटे की लड़ाई वाले राज्यों में जीत के लिए इस समुदाय के मत अहम हैं। भारतीय मूल के सांसदों के समूह को कृष्णमूर्ति अनौपचारिक रूप से 'समोसा कॉकस कहते हैं और इस चुनाव में इस समूह में कम से एक सदस्यों की वृद्धि की पूरी संभावना है क्योंकि डॉ. हीरल तिपिरनेनी की एरिजोना के छठे कांग्रेस निर्वाचन क्षेत्र में रिपब्लिकन उम्मीदवार डेविड श्वेकर्ट पर अंतिम सूचना मिलने तक बढ़त बनी हुयी थी। अगर 52 वर्षीय हीरल निर्वाचित होती हैं तो प्रतिनिधिसभा पहुंचने वाली भारतीय मूल की दूसरी महिला होंगी। जयपाल पहली महिला हैं जो 2016 में प्रतिनिधिसभा के लिए निर्वाचित हुई थीं। 'समोसा कॉकस' में इस समय पांच भारतीय-अमेरिकी सांसद हैं जिनमें से चार प्रतिनिधिसभा के सदस्य हैं जबकि पांचवी सदस्य सीनेटर कमला हैरिस (56) हैं। हैरिस इस चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं। कृष्णमूर्ति (47) ने आसानी से लिबरटेरियन पार्टी उम्मीदवार प्रेस्टन नेल्सन (30)को हरा दिया। अंतिम सूचना मिलने तक उन्हें कुल गिने गए मतों के करीब 71 प्रतिशत मत मिले थे। रो खन्ना ने आसानी से अपने भारतीय मूल के प्रतिद्वंद्वी और रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी रितेश टंडन (48) को हराया। उन्होंने करीब 50 प्रतिशत मतों से जीत दर्ज की। खन्ना लगातार तीसरी बार कैलिफोर्निया के 17वें निर्वाचन क्षेत्र से विजयी हुए हैं। समोसा कॉकस में सबसे वरिष्ठ सदस्य डॉ. एमी बेरा (55) ने आसानी से पांचवी बार कैलिफोर्निया के सातवें कांग्रेस निर्वाचन क्षेत्र से जीत दर्ज की। आखिरी सूचना मिलने तक वह अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी 65 वर्षीय बज पैटरसन पर 25 प्रतिशत मतों की अजेय बढ़त बना चुके थे। वहीं टेक्सास के 22वें कांग्रेस निर्वाचन क्षेत्र से डेमोक्रेटिक पार्टी के टिकट पर लड़ रहे श्री प्रेस्टन कुलकर्णी (42) को रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रॉय नेहल्स (52) से हार मिली है। लोकप्रिय शेरिफ (काउंटी में पुलिस अधिकारी) और सेना से अवकाशप्राप्त नेहल्स को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समर्थन किया था। वजीर्निया के 11वें कांग्रेस निवार्चन क्षेत्र से रिपब्लिकन पार्टी उम्मीदवार मंगा अनंतमुला को मौजूदा डेमोक्रेटिक सांसद और उम्मीदवार गेरी कॉनोली से हार मिली है। रिपब्लिकन पार्टी प्रत्याशी निशा शर्मा को भी डेमोक्रेटिक पार्टी प्रत्याशी मार्क डीसाउल्नियर से 50 प्रतिशत से अधिक मतों से हार मिली है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी कांग्रेस में हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव निचला सदन है जबकि सीनेट उच्च सदन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव रिजल्ट: काउंटिंग के बीच डोनाल्ड ट्रंप का दावा- हम चुनाव जीत चुके, फिर भी सुप्रीम कोर्ट जा रहे

वाशिंगटन। अमेरिका में जारी वोटों की गिनती जारी है और डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि जहां तक मुझे पता है, हम चुनाव जीत चुके हैं। साथ ही उन्होंने जो बाइडेन पर वोटों की गिनती में फ्रॉड करने का भी आरोप लगाया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के साथ एक 'बड़ी धोखाधड़ी' किए जाने का दावा करते हुए, उच्चतम न्यायालय का रुख करने की बात कही। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं साफ-साफ बोलूं तो हम चुनाव जीत चुके हैं। बाइडेन जानते हैं कि वह हार रहे हैं। वो हार रहे हैं, इसलिए कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं। हम यह चुनाव जीतने जा रहे हैं। सच कहूं तो हम जीत चुके हैं। हमारा लक्ष्य देश की भलाई के लिए अखंडता सुनिश्चित करना है। हम चाहते हैं कि कानून का उचित तरीके से इस्तेमाल हो। इसलिए हम सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह अमेरिकी जनता पर एक धोखाधड़ी, एक शर्मनाक है।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव की मतगणना में डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन अब भी आगे चल रहे हैं, लेकिन अब राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और उनके बीच फासला बुहत कम रह गया है। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, 538 इलेक्टोरल कॉलेज सीट में से जो बाइडेन 225 और ट्रंप 213 पर जीत दर्ज कर चुके हैं। व्हाइट हाउस पहुंचने के लिए किसी को भी कम से कम 270 इलेक्टोरल कॉलेज सीट पर जीत दर्ज करनी होगी।

डोनाल्ड ट्रंप ने विरोधी पर लगाया वोट चुराने का आरोप, ट्विटर ने ट्वीट को चेतावनी के साथ दिखाया

वाशिंगटन। अमेरिका की कमान डोनाल्ड ट्रंप के पास ही रहेगी या जो बाइडन राष्ट्रपति बनेंगे, इसके लिए अमेरिका में वोटिंग के बाद मतगणना जारी है। अमेरिका में 45वें राष्ट्रपति पद पर कौन काबिज होता है, इस पर पूरी दुनिया की नजर है। इस बीच अब तक जो रुझान सामने आए हैं, उसमें डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन में कांटे की टक्कर तो दिख रही है, मगर जो बाइडेन अब भी इलेक्टोरल वोट में आगे हैं। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने एक ऐसा ट्वीट किया है, जिसे ट्विटर ने गलत जानकारी का हवाला देकर उस ट्वीट को चेतावनी के साथ दिखाया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने ट्वीट कर लिखा था कि हम लोग बड़ी जीत की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन विरोधी नतीजों को चुराने की कोशिश कर रहे हैं। मगर इस ट्वीट को ट्विटर ने अपने प्लेटफॉर्म पर उचित नहीं पाया है और उसे चेतावनी के साथ दिखाया है।

अमेरिकी चुनाव में राजा कृष्णमूर्ति ने लगाई जीत की हैट्रिक

वाशिंगटन। भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक सांसद राजा कृष्णमूर्ति लगातार तीसरी बार अमेरिकी कांग्रेस के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के लिए चुन लिए गए हैं। दिल्ली में जन्मे 47 वर्षीय कृष्णमूर्ति ने आसानी से लिबरटेरियन पार्टी उम्मीदवार प्रेस्टन नेल्सन को हरा दिया। अंतिम सूचना मिलने तक उन्हें कुल गिने गए मतों के करीब 71 प्रतिशत मत मिल चुके हैं। कृष्णमूर्ति के माता-पिता तमिलनाडु के रहने वाले हैं और वह 2016 में पहली बार अमेरिकी संसद के निम्न सदन के सदस्य चुने गए थे। इस बीच, कांग्रेस सदस्य एमी बेरा कैलिफोर्निया से पांचवी बार और रो खन्ना कैलिफोर्निया से ही तीसरी बार हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस सदस्य प्रमिला जयपाल वाशिंगटन राज्य से तीसरी बार चुनाव जीतने की आस लगा रही हैं। कैलिफोर्निया और वाशिंगटन में मतदान जारी है और अगले कुछ घंटों में नतीजों के घोषित किए जाने की उम्मीद है। डॉ. हीरल तिपिरनेनी एरिजोना के छठे कांग्रेस निर्वाचन क्षेत्र से लगातार तीसरी बार जीतने के लिए प्रयासरत हैं। वहीं टेक्सास के 22वें कांग्रेस निर्वाचन क्षेत्र से डेमोक्रेटिक पार्टी से लड़ रहे श्री कुलकर्णी रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रॉय नेहल्स को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। वजीर्निया के 11वें कांग्रेस निवार्चन क्षेत्र से रिपब्लिकन पार्टी उम्मीदवार मंगा अनंतमुला मौजूदा डेमोक्रेटिक सांसद और उम्मीदवार गेरी कॉनोली से करीब 15 प्रतिशत मतों से पीछे चल रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावः डोनाल्ड ट्रंप या जो बाइडेन, मुसलमानों ने किसे दिया वोट?

न्यूयॉक। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव (US Election 2020) में करीब 69 फीसदी मुस्लिम मतदाताओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन के पक्ष में मतदान किया जबकि 17 प्रतिशत मुस्लिम मतदाताओं ने रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी एवं मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया। यह आकलन अमेरिका के एक मुस्लिम नागरिक अधिकार समूह द्वारा कराए गए सर्वेक्षण में किया गया है। अमेरिका के सबसे बड़े मुस्लिम नागरिक अधिकार समूह 'दि काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशन्स' (सीएआईआर) ने मंगलवार को राष्ट्रपति चुनाव-2020 में मुस्लिम मतदाताओं के रुख को जानने के लिए कराए गए एग्जिट पोल के नतीजों को जारी किया। सीएआईआर ने 844 पंजीकृत मुस्लिम मतदाताओं के परिवारों में सर्वेक्षण किया और पाया कि 84 प्रतिशत मुस्लिम मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया जिनमें से 69 प्रतिशत ने बाइडेन के और 17 प्रतिशत ने ट्रंप के पक्ष में मतदान किया। सीएआईआर ने कहा कि 10 लाख से अधिक अमेरिकी मुस्लिम मतदाओं ने मतदान किया है जो रिकॉर्ड है। संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी निदेशक निहाद अवद ने कहा, ''मुस्लिम समुदाय में राष्ट्रपति चुनाव सहित इस देश के विभिन्न चुनावों को प्रभावित करने की क्षमता है और इस तथ्य को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है।'' उल्लेखनीय है कि 2016 के चुनाव में ट्रंप को 13 प्रतिशत मुस्लिम मत मिले थे। वहीं इस चुनाव में उन्हें समुदाय से चार प्रतिशत अधिक यानी 17 प्रतिशत मत मिलने की संभावना है। प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक अमेरिका में 2017 में मुसलमानों की आबादी करीब 34.5 लाख थी, जो कुल आबादी का करीब 1.1 प्रतिशत हैं।

काउंटिंग के बीच ट्रंप और बाइडेन ने क्या-क्या किए दावे?

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए काउंटिंग जारी है। इस बीच, दोनों उम्मीदवारों- डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन- ने अपनी-अपनी जीत होने के दावे किए हैं।

माली में फ्रांस की बड़ी कार्रवाई, स्पेशल फोर्स ने अल-कायदा के 50 आतंकियों को मार गिराया

एजेंसी, पेरिस। फ्रांस ने माली में मंगलवार को आतंकवादी संगठन अल-कायदा पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके ठिकानों पर हवाई हमले किए। इसमें 50 से अधिक आतंकवादी ढेर हो गए। फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली ने बताया कि फ्रांस के विशेष बलों ने एक अभियान में 50 आतंकवादी मार गिराए। पार्ली ने ट्वीट कर कहा कि तीस अक्तूबर को बरखाने सुरक्षा बलों ने इसको लेकर अभियान चलाया था। हमले के दौरान आतंकियों के उपकरण और हथियारों को जब्त कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आतंकवादी संगठन को यह एक तगड़ा झटका है। फ्रांस ने वर्ष 2014 में साहेल क्षेत्र में आतंकवादियों से लड़ने के लिए ऑपरेशन बरखाने चलाया था। इस अभियान को 2017 में जी5 साहेल की स्थापना द्वारा दोबारा शुरू किया गया। जी5 में अफ्रीकी संघ द्वारा समर्थित 5000 मजबूत समूह बुर्किना फासो, चाड, माली, मॉरिटानिया और नाइजर शामिल हैं।

पार्ली इस समय माली की राजधानी बमाको में हैं, जहां पर वह अंतरिम सरकार के प्रमुख से बात करेंगी। उल्लेखनीय है कि अगस्त में माली के राष्ट्रपति का सेना ने तख्ता पलट कर दिया था। पार्ली ने माली में यथाशीघ्र लोकतांत्रिक चुनाव कराने का आह्वान किया और कहा कि मौजूदा नेतृत्व ने इसका भरोसा दिया है।

अच्छी खबर: कोरोना वायरस की वैक्सीन अब दूर नहीं...वैज्ञानिकों ने विकसित की नैनोपार्टिकल वैक्सीन

नई दिल्ली। संक्रमित कोरोना मरीज के शरीर की एंटीबॉडीज से दस गुना ज्यादा सुरक्षा देने वाला कोविड-19 का एक प्रयोगात्मक टीका विकसित किया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन स्कूल ऑफ मेडिसिन के वैज्ञानिकों को यह सफलता मिली है। यह एक नैनोपार्टिकल वैक्सीन है, जिसका प्रारंभिक परीक्षण चूहों पर सफल रहा। अब इस प्रयोगात्मक टीके का मानव परीक्षण किया जाएगा। यह शोध सेल पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। कोरोना वायरस से संक्रमित हुए मरीजों के ठीक हो जाने के बाद उसके शरीर में एंटीबॉडीज पैदा हो जाती हैं, जो उस व्यक्ति को दोबारा वायरस के हमले से लड़ने में मदद करती हैं। इस शोध में वैज्ञानिकों ने जो नैनोपार्टिकल वैक्सीन तैयार की है, उससे शरीर में विकसित होने वाली एंटीबॉडीज की संख्या संक्रमित होकर ठीक हो चुके व्यक्ति की एंटीबॉडीज से दस गुना ज्यादा है।

तीन दिवसीय दौरे पर नेपाल पहुंचे आर्मी चीफ जनरल नरवणे, पीएम ओली से भी करेंगे मुलाकात

काठमांडू। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे बुधवार को तीन दिवसीय दौरे पर नेपाल पहुंच गए। इस दौरे पर आर्मी चीफ जनरल नरवणे को नेपाल सेना के जनरल की उपाधि से नवाजा जाएगा। इस दौरे के दूसरे दिन आर्मी चीफ की नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली से भी मुलाकात होगी।

नरवणे की यात्रा का प्रमुख उद्देश्य दोनों देशों के बीच सीमा विवाद से उपजे तनाव की पृष्ठभूमि में संबंधों में पुन: सामंजस्य स्थापित करना है। जनरल नरवणे नेपाल के सेना प्रमुख जनरल पूर्ण चंद्र थापा के निमंत्रण पर नेपाल की यात्रा कर रहे हैं। भारतीय दूतावास के प्रवक्ता नवीन कुमार ने कहा कि जनरल नरवणे की यात्रा दोनों देशों की सेनाओं के बीच मित्रता के लंबे समय से जारी और परंपरागत बंधन को और गहरा करेगी। नरवणे एक अस्पताल के लिए एक एम्बुलेंस और चिकित्सा उपकरण भेंट करेंगे, अस्पताल का संचालन नेपाली सेना करेगी। नेपाल की सेना के सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना प्रमुख गुरुवार सुबह सेना के पवेलियन में शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि देंगे। अधिकारियों ने कहा कि सेना प्रमुख का इस यात्रा के दौरान नेपाल की राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी और प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली से मुलाकात करने के अलावा कई अन्य असैन्य एवं सैन्य नेताओं के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम है।

जनरल नरवणे ने कहा, ''मैं नेपाल की यात्रा करने और अपने समकक्ष नेपाल के सेना प्रमुख जनरल पूर्ण चंद्र थापा से मुलाकात के लिए उनकी ओर से मिले निमंत्रण को लेकर उत्साहित हूं। मुझे विश्वास है कि यह यात्रा दोनों देशों की सेनाओं के बीच मित्रता के बंधन को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।''

नेपाली पीएम ओली से होगी मुलाकात

तीन दिनों के दौरे के दूसरे दिन आर्मी चीफ नरवणे नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली से भी मुलाकात करेंगे। दोनों के बीच यह मुलाकात 5 नवंबर को होगी। आर्मी चीफ ने कहा कि वह प्रधानमंत्री ओली से मुलाकात के अवसर के लिए भी आभारी हैं। भारत द्वारा सेना प्रमुख को नेपाल भेजने के फैसले को नई दिल्ली द्वारा म्यामां, मालदीव, बांग्लादेश, श्रीलंका, भूटान और अफगानिस्तान के साथ संबंधों में नयी ऊर्जा भरने की व्यापक कवायद का हिस्सा माना जा रहा है। चीन द्वारा क्षेत्र में अपना प्रभुत्व बढ़ाने के प्रयासों के मद्देनजर ऐसा किया जा रहा है।

भारत द्वारा सेना प्रमुख को नेपाल भेजने के फैसले को नई दिल्ली द्वारा म्यामां, मालदीव, बांग्लादेश, श्रीलंका, भूटान और अफगानिस्तान के साथ संबंधों में नयी ऊर्जा भरने की व्यापक कवायद का हिस्सा माना जा रहा है। चीन द्वारा क्षेत्र में अपना प्रभुत्व बढ़ाने के प्रयासों के मद्देनजर ऐसा किया जा रहा है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा आठ मई को उत्तराखंड के धारचूला से लिपुलेख दर्रे को जोड़ने वाली 80 किलोमीटर लंबी रणनीतिक सड़क का उद्घाटन करने के बाद नेपाल ने विरोध जताया था,

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा आठ मई को उत्तराखंड के धारचूला से लिपुलेख दर्रे को जोड़ने वाली 80 किलोमीटर लंबी रणनीतिक सड़क का उद्घाटन करने के बाद नेपाल ने विरोध जताया था, तब से दोनों देशों के संबंधों में तनाव आ गया था।

आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ने ली वियना में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी

एजेंसी,वियना। ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में हुए आतंकी हमले को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। आस्ट्रिया के वियना में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन आईएस (इस्लामिक स्टेट) ने ली है। बता दें कि वियना में बंदूकधारी आतंकी ने सोमवार की शाम को मुंबई अटैक की तरह ही लोगों पर ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और अन्य 17 लोग घायल हो गए। हालांकि, बाद में हमलावर भी मारा गया है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, आईएस यानी इस्लामिक स्टेट ने मंगलवार को हुए वियना में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है। आईएस ने अमाक न्यूज एजेंसी के जरिए बयान जारी करते हुए कहा कि हमला उसने ही कराया है, साथ ही उसने बंदूकधारी की तस्वीर और वीडियो भी जारी किया है।

टेलीग्राम पर जारी तस्वीर में आतंकी की पहचान अबू दगना अल-अल्बानी के रूप में हुई है, जिसे दाढ़ी में दिखाया गया है। इसके साथ बयान भी जारी किया है, जिसमें कहा गया है, उसने पिस्टल और मशीनगन के साथ सोमवार को सेंट्रल वियना में भीड़ पर हमला किया था।

फोटो में अल्बानी एक पिस्तौल, एक मशीन गन के साथ दिखता है। उसके हाथ पर एक घड़ी और रिंग था। रिंग पर लिखा है- 'मोहम्मद अल्लाह का दूत है।' वहीं, गृह मंत्री कार्ल नेहामर के मुताबिक, हमवार का नाम कुजती फेजुलाई है, जो इस्लामिक स्टेट संगठन में शामिल होने के लिए सीरिया जाने के जुर्म में हमलावर कुजती फेजुलाई को अप्रैल 2019 में 22 महीने की सजा हुई थी। हालांकि, नाबालिग कानून के तहत उसे दिसम्बर में रिहा कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में अभी तक 15 घरों की तलाशी ली गई है और कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल अपुष्ट वीडियो पोस्ट किए गए हैं, जिनमें एक बंदूकधारी सड़कों से गुजरता हुआ दिख रहा है और लोगों को गोली मार रहा है। हालांकि, यह अस्पष्ट है कि हर वीडियो में दिख रहा शख्स एक ही है या अलग अलग हैं। प्रत्यक्षदर्शी रब्बी स्क्लोमो होफमिस्टर ने बताया कि उन्होंने देखा कि सड़क पर बार के बाहर बैठे एक व्यक्ति को गोली मार दी गई। उन्होंने कहा कि हमारी इमारत के बाहर कम से कम 100 गोलियां चलाई गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सभी बारों ने बाहर मेजें लगा रखी थीं।

यह लॉकडाउन लागू होने से ठीक पहले की शाम थी। अधिकारियों ने बताया कि निवासियों ने 20,000 वीडियो अपलोड किए हैं। हमले की यूरोपीय नेताओं ने निंदा की और मदद का आश्वासन दिया। इनमें फ्रांस के

राष्ट्र एमैनुएल मैक्रों, जिनके देश में इस्लामी चरमपंथियों ने हाल के हफ्तों में तीन हमले किए हैं, और जर्मन चांसलर एंजेला मार्केल शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

12 साल की किशोरी से दुष्कर्म, परप्रांतीय युवक गिरफ्तार

जूनागढ़ जिले के वंथली में एक सप्ताह के भीतर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म की दूसरी घटना सामने आई हैं। 12 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने एक परप्रांतीय युवक को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक जूनागढ़ जिले के वंथली के निकट रहने वाली 12 वर्षीय किशोरी एक दिन से लापता थी। परिवार ने इस बारे में पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस की जांच में किशोरी एक परप्रांतीय युवक के घर मिली। जांच में पता चला कि किशोरी के साथ दुष्कर्म किया गया था। दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने परप्रांतीय युवक को गिरफ्तार कर लिया और पोक्सो समेत अन्य दफाओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की। चार दिन पहले इसी वंथली क्षेत्र में 9 साल की मासूम बच्ची के साथ उसके मामा के पुत्र द्वारा दुष्कर्म किया गया था। 9 साल की किशोरी अपने घर के निकट खेल रही थी।

तब उसके मामा के पुत्र अक्षय राजुभाई सोलंकी ने लड़की को अपने घर बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया थां।

रक्तरंजित कपड़े देखा माता–पिता द्वारा लड़की से पूछने पर सारी हकीकत सामने आई। वंथली पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

एसीबी ने पुलिसकर्मी की ओर से रिश्वत लेते बिचौलिये के रंगेहाथ पकड़ा

मोरबी एन्टी करप्शन ब्यूरो ने रिश्वत के मामले में एक पुलिस. कर्मी के बिचौलिये को गिरफ्तार कर लिया।

एसीबी ने बिचौलिये ओर पुलिसकर्मी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोरबी एसीबी को शिकायत मिली थी कि वांकानेर शहर पुलस थाने में सेवारत किशोरसिंह नटवरसिंह झाला ने शराब के मामले में पकड़े आरोपी से उसके खिलाफ कार्यवाही नहीं करने के एवज में एक लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। हांलाकि बाद में रु. 75000 पर सौदा तय हो गया। जिसमें से रु. 25000 दे गए थे और रु. 50000 देना शेष था। आरोपी के जमानत पर छूटने के बाद किशोरसिंह आए दिन उसे रु. 50000 जल्द पहुंचाने धमकी देर रहा था। जिससे परेशान होकर आरोपी ने एसीबी में पुलिसकर्मी के खिलाफ शिकायत कर दी। जिसके आधार पर एसीबी ने जाल बिछाया। आरोपी ने किशोरसिंह को फोन किया और कहा कि रु. 50000 की रकम ले जाए।

इस पर उसने अपने बिचौलिये प्रवीण खोडाभाई बांभवा को रुपए देने को कहा।

किशोरसिंह की ओर से रिश्वत की रकम पहुंचे प्रवीण बांभवा को एसीबी ने रु. 50000 के साथ गिरफ्तार कर लिया।

सूरत आरआर सेल ने नवसारी में रेड कर विदेशी शराब पकड़ी, पीएसआई सस्पैंड

नवसारी, सूरत आरआर सेल ने नवसारी के धोलाई मरीन पुलिस थानान्तर्गत छापा मारकर 1.74 लाख रुपए कीमत की विदेशी शराब जब्त कर ली।

साथ ही महिला शराब तस्कर को गिरफ्तार दो लोगों को वान्टेड घोषित किया है। आरआर सेल की रेड के बाद स्थानीय पुलिस सब इंस्पेक्टर को सस्पैंड कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक सूरत आरआर सेल ने पूर्व सूचना के आधार पर बिलिमोरा के निकट नवसारी के धोलाई मरीन पुलिस थानान्तर्गत छापा मारकर विदेशी शराब की 780 बोतलें जब्त कर लिया। रु. 1.74 लाख कीमत की विदेशी शराब के साथ आरआर सेल ने जवात्री टंडेल नामक महिला शराब तस्कर को भी गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में महिला तस्कर ने बताया कि अंकित पटेल और जयेश पटेल नामक दो शख्स उसे शराब दे गए थें। पुलिस ने महिला तस्कर को गिरफ्तार कर अंकित पटेल और जयेश पटेल को वांटेड घोषित किया है।

आरआर सेल की छापेमारी के बाद मरीन पुलिस थाने के पीएसआई को सस्पैंड कर दिया गयां।

रु.1.73 करोड़ रुपए के साथ दो शख्स धरे गए,जांच में जुटा आयकर विभाग

राजकोट पुलिस ने देर रात जिले के खेरवा गांव के निकट से दो शख्सों को रु. 1.73 करोड़ की नकदी के साथ दबोच लिया। आयकर विभाग भी मामले की जांच में जुट गया है। जानकारी के मुताबिक राजकोट की कुवाडवा पुलिस देर रात गश्त पर थीं। उस वक्त खेरवा गांव के निकट से गुजर रही कार की तलाशी में रु. 1,73,60000 की नकदी बरामद हुई। पुलिस ने कार में सवार जयदीप बदरकिया और निलेश उटवाडिया को हिरासत में ले लिया और आयकर विभाग को जानकारी दे दी। आयकर विभाग की पूछताछ में जयदीप और निलेश ने बताया कि रुपए बैंक से निकाले गए हैं और किसानों को भुगतान करने के लिए ले जा रहे थे। हांलाकि मोरबी निवासी और ध्रोल मार्केटिंग यार्ड के व्यापारी जयदीप पदरकिया और निलेश उटवाडिया नकद रकम के बारे में ठोस प्रमाण नहीं दे पाए। पुलिस ने जयदीप और निलेश से रु. 17360000 नकद और कार इत्यादि जब्त की है। बता दें कि मंगलवार को राज्य विधानसभा की 8 सीटों पर उपचुनाव हुआ था और उसके संपन्न होने के बाद ये दोनों शख्स इतनी बड़ी रकम लेकर जा रहे थे। पकड़े गए दोनों लोग मोरबी के निवासी हैं और मोरबी विधानसभा सीट पर भी कल मतदान हुआ था।

सुरत महानगर पालिका स्वच्छ अभियन के साथ भष्टाचार मुक्त अभियन ?

अवैध काम BPMC एक्ट की नोटिस और भष्टाचार मुक्त अभियन ?

रेसीडेंन्सी में पूरा डिमोलिशन और इंडस्ट्रीयल में क्या मजाक ?

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

उद्धव ठाकरे के खिलाफ 'आपत्तिजनक' ट्वीट करने के आरोपी को मिली जमानत

मुंबई। महानगर की एक अदालत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और अन्य के खिलाफ आपत्तिजनक ट्वीट करने के आरोपी दिल्ली के एक वकील को जमानत दे दी। आरोपी के वकील ने अदालत से कहा था कि उनके मुवक्किल को अपने किए पर ''अफसोस'' है और वह सोशल मीडिया पर माफी मांगेगा। सत्र न्यायाधीश डी ई कोठालिकर ने सोमवार को आरोपी विभोर आनंद को 50,000 रुपये के निजी मुचलके पर जमानत प्रदान कर दी। आनंद ने अपनी अर्जी में माना कि उन्होंने रिपब्लिक टीवी और इसके एंकर के प्रभाव में आकर ठाकरे एवं अन्य के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। आरोपी के अनुसार एंकर ने कहा था कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत और उनकी पूर्व प्रबंधक दिशा सालियान की हत्या की गई थी तथा उसने इन कथित हत्याओं के सिलसिले में कई लोगों के नाम लिए थे। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया था कि दिल्ली निवासी आनंद ने अपने ट्विटर हैंडल पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर मुख्यमंत्री एवं राज्य के पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे को बदनाम किया। आनंद के वकील ने कहा कि वह इस बात पर तो सवाल ही नहीं उठा रहे हैं कि आवेदक ने सोशल मीडिया पर टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि आरोपी वकील सोशल मीडिया पर अलग पोस्ट डालकर माफी मांगेंगे और इस बात का ख्याल रखेंगे कि आगे फिर ऐसा न हो। इसपर अदालत ने आनंद की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। अदालत ने कहा कि आरोपी को अपने वकील के बयान का हर हाल में पालन करना चाहिए और आदेश के सात दिन के अंदर माफी मांगनी चाहिए।

गुजरात में रसायन के एक गोदाम में हुआ विस्फोट, छह लोगों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात में रसायन के एक गोदाम में हुए विस्फोट से इसका एक हिस्सा ढह गया जिससे छह लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए। दमकल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभी तक कम से कम 14 लोगों को मलबे से निकाला गया है। उन्होंने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र, पिराना-पिपलाज रोड पर यह इमारत स्थित है और आग लगने के बाद यहां विस्फोट हुआ। दमकल विभाग के प्रमुख अधिकारी एम.एफ दस्तुर ने कहा, ''विस्फोट होने की जानकारी मिलते ही दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे। अभी तक 14 लोगों को मलबे से निकाला गया है। सभी को 'एलजी अस्पातल' ले जाया गया।''
उन्होंने बताया कि मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए कंक्रीट के स्लैब तोड़ने पड़े, जिसके लिए मशीन का इस्तेमाल किया गया। इस बीच , सरकारी अस्पताल ने बताया कि यहां लाए गए 14 लोगों में से छह लोगों की मौत हो गई। उसने एक बयान में कहा, ''अन्य आठ का इलाज चल रहा है।'' दमकल विभाग के नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे आग लगने से विस्फोट होने की जानकारी मिलते ही बचाव तथा दमकल विभाग के कम से कम 26 वाहन मौके पर भेजे गए।

कुशीनगर के अवैध पटाखा गोदाम में धमाका, चार लोगों की मौत, 12 अन्य जख्मी

गोरखपुर। कुशीनगर जिले के कप्तानगंज इलाके में बुधवार सुबह अवैध पटाखा गोदाम में धमाके से चार लोगों की मौत हो गयी जबकि कम से कम 12 लोग घायल हो गये। मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि कप्तानगंज क्षेत्र के घनी आबादी वाले वार्ड संख्या 11 में जावेद नामक व्यक्ति ने अपने घर में अवैध रूप से पटाखों का गोदाम बना रखा था। बुधवार सुबह घर में एलपीजी सिलेंडर में आग लग गयी जिससे धमाका हुआ और जावेद के घर के साथ-साथ आसपास के घरों में भी आग लग गयी। उन्होंने बताया कि धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि काफी दूर तक सुनाई दी। उन्होंने बताया कि इस हादसे में नाजिया (14), जावेद (35) और उसकी मां फातिमा (65) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि जावेद की पत्नी अनवरी (32) ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जाते वक्त रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सूचना मिलने पर दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

पराली समस्या पर बोले अरविंद केजरीवाल, पूसा का 'बायो-डीकम्पोजर' सफल, सुप्रिम कोर्ट को बताएंगे

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पूसा द्वारा तैयार 'बायो डीकम्पोजर' (एक प्रकार का घोल) दिल्ली में सफल है और उनकी सरकार उच्चतम न्यायालय को बताएगी कि पराली को जलाने से रोकने का यह एक प्रभावी तरीका है। केजरीवाल ने उत्तर दिल्ली के हीरांकी गांव में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि दिल्ली ने कृषि अपशिष्ट को जलाने की समस्या का समाधान तलाश लिया है और अब कोई राज्य बहाना नहीं बना सकता है। पूसा बायो डीकम्पोजर को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा ने विकसित किया है जो कृषि अपशिष्ट को 15 से 20 दिन में खाद में तब्दील कर देता है जिससे उन्हें जलाने की जरूरत नहीं होगी। पूसा बायो डीकम्पोजर का छिड़काव नरेला के हीरांकी गांव में गैर बासमती धान के खेतों में मुफ्त में किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''पूसा बायो डीकम्पोजर सफल रहा है। इसने पराली और कृषि अपशिष्ट को पूरी तरह से सड़ाकर खाद में तब्दील कर दिया है। किसान अब अपने खेतों में अगली फसल की बुआई कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा, '' हम उच्चतम न्यायालय को भी बताने जा रहे हैं कि यह पराली को जलाने से रोकने का प्रभावी तरीका है।'' केजरीवाल ने कहा, '' दिल्ली के लोगों और पूसा संस्थान ने पराली जलाने का किफायती उपाय ढूंढ़ लिया है। मुझे उम्मीद है कि यह आखिरी साल होगा जब हम इसे (पराली जलाने से प्रदूषण) बर्दाश्त करेंगे। अब राज्य बहाना नहीं बना सकेंगे।''

राहुल ने ईवीएम को बताया 'मोदी वोटिंग मशीन', बोले- विचारधारा की लड़ाई में प्रधानमंत्री को हराऊंगा

मधेपुरा। (एजेंसी)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि वह 'मोदी वोटिंग मशीन' या मीडिया से नहीं डरते हैं तथा विचारधारा की लड़ाई में एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हरायेंगे। राहुल गांधी ने बिहार के मधेपुरा और अररिया में चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी उनके खिलाफ उल्टी सीधी बातें करते हैं और बदतमीजी से बात करते हैं, वे नफरत फैलाने वाली बातें करते हैं। उन्होंने कहा, ''वे (मोदी) जितनी नफरत फैलाने की कोशिश करते हैं मैं उतना ही प्यार फैलाने की कोशिश करता हूं। नफरत को नफरत से नहीं बल्कि प्यार से काटा जा सकता है।''

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''मैं एक इंच भी पीछे नहीं हटूंगा, जब तक कि नरेन्द्र मोदी को हरा नहीं दूं।'' उन्होंने कहा कि चाहे 'मोदी वोटिंग मशीन' हो या 'मोदी मीडिया' हो, जो भी हो, मुझे फर्क नहीं पड़ता।'' गांधी ने कहा, ''यह उस व्यक्ति के खिलाफ विचारधारा की लड़ाई है और उनकी सोच के खिलाफ लड़ाई है और सच, सच होता है और हम इस सोच को पराजित करेंगे।'' उन्होंने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कोरोना वायरस संकट, बेरोजगारी, किसानों एवं छोटे व्यापारियों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगागे हुए कहा कि पिछले वादे पूरा नहीं करने वाले ये नेता अब चुनाव में लोगों से वोट मांग रहे हैं।

उन्होंने कहा, '' मैं आपको कहना चाहता हूं कि महागठबंधन की सरकार बनेगी तो वह हर जाति, धर्म, गरीब, मजदूर और हर जिले की सरकार होगी। हम मिलकर इस प्रदेश को बदलने का काम करेंगे।'' मधेपुरा और अररिया में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, '' छह साल पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार दिलवाएंगे...मिला?नीतीश कुमार ने कहा था बिहार को बदल दूंगा, लेकिन क्या बिहार बदला...?'' राहुल गांधी ने कहा कि इस चुनाव में वही युवा उनसे पूछते हैं कि हमें रोजगार क्यों नहीं दिया तो नीतीश कुमार उन्हें धमकाते हैं।

उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने आती है और सामने आ गई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि शरद यादव की बेटी सुभाषिनी यादव इस चुनाव में बिहारीगंज सीट से चुनाव मैदान में हैं और आप शरद यादव की बेटी को चुनाव जिताएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना वायरस से लड़ने के लिए कहा कि ताली बजाओ, थाली बजाओ और ताली एवं थाली के बाद मोबाइल फोन की लाइट जलवायी और 22 दिनों में कोरोना खत्म होने की बात कही लेकिन इससे ज्यादा दिन बीत गएपर कोरोना वायरस फैलता जा रहा है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''लॉकडाउन के दौरान जब लाखों मजदूर पैदल ही अपने घर आ रहे थे, तब नीतीशजी और मोदीजी ने उनकी मदद नहीं की।'' राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जब कोरोना वायरस आया तो प्रधानमंत्री मोदी ने बिना कोई चेतावनी दिये, बिनालॉकडाउन का नोटिस दिये ही, इसे लागू कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जैसे नोटबंदी लागू की, वैसे ही लॉकडाउन कर दिया और देशभर के मजदूरों को इस दौरान भूखे प्यासे पैदल यहां आना पड़ा। कांग्रेस नेता ने कहा, ''कोरोना वायरस के समय में मैंने मजदूरों से बात की तो उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमें दो दिन का नोटिस क्यों नहीं दिया। अगर हमें एक दिन का समय मिलता तो हम अपने गांव वापस लौट जाते।''

उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिल में अगर किसान-मजदूरों के लिए जगह होती तो जो कोरोना वायरस के समय में हुआ, वो किसानों के साथ कभी नहीं होता। नोटबंदी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री 8 बजे शाम को कहते हैं, 500 रुपए 1000 रुपए का नोट रद्द, अपना सब पैसा बैंक में डालो। इसके बाद वे आपकी जेब से पैसा निकालकर हिन्दुस्तान के अमीरों की जेब में डालने का काम करते हैं।'' राहुल गांधी ने कहा कि उस समय आप लाइन में खड़े थे, क्या कोई काला धन वाला लाइन में था? क्या कोई अरबपति लाइन में लगा था। उन्होंने कहा कि आपका 3 लाख 50 हजार करोड़ रुपए नरेन्द्र मोदी जी ने आपकी जेब से निकालकर उन बड़े उद्योगपतियों का कर्जा माफ किया।

उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अब नया कानून किसानों को खत्म करने वाला बनाया गया है। इसलिये इस दशहरे में पंजाब में किसानों ने रावण, मेघनाद,कुंभकर्ण के स्थान पर नरेन्द्र मोदी, अंबानी अडाणी का पुतला जलाया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने रैली में मौजूद लोगों से पूछा कि क्या उन्हें मक्के का उचित दाम मिला रहा है?गांधी ने कहा कि सही दाम दिलवाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार ने क्या किया? हाल मेंलागू तीन कृषि कानूनों का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि हमने किसान को आजाद किया कि वो अपना मक्का-धान देश में कहीं भी जाकर बेच सकते हैं। लेकिन किसान कैसे बेचेगा, बिहार में सड़क कहां है।

न्यायालय ने निजी जासूसों के कामकाज से संबंधित याचिका पर सुनवाई से इनकार किया

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उस याचिका पर सुनवाई करने से बुधवार को इनकार कर दिया, जिसमें केन्द्र सरकार को यह निर्देश देने की अपील की गई थी कि जब तक कोई संहिताबद्ध कानून अस्तित्व में नहीं आ जाता तब तक वह निजी जासूसों के कामकाज और अधिकार क्षेत्र को विनियमित करने के लिये दिशा-निर्देश जारी करे। याचिका में सरकार को गैर-कानूनी तरीके से हासिल की गई भारतीय नागरिकों की निजी जानकारियों का दूसरे देशों को हस्तांतरण रोकने के लिये एक तंत्र बनाने का निर्देश देने की भी अपील की गई थी। न्यायमूर्ति आर एफ नरीमन की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विभा दत्ता मखीजा से कहा, कृप्या आप इस याचिका को वापस ले लें या फिर हम इसे खारिज कर देंगे। मखीजा ने दलील दी थी कि निजी एजेंसियों द्वारा जासूसी विनियमित नहीं है और इस मुद्दे पर विचार करने की जरूरत है। हालांकि बाद में उन्होंने याचिका वापस ले ली। हरियाणा में रहने वाली एक महिला ने यह याचिका दायर की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि दिल्ली स्थित कंपनी के निदेशक दो निजी जासूसों ने किसी भी प्राधिकरण की अनुमति के बिना उनकी निजी जानकारी हासिल की और उसे अमेरिका में स्थित एक व्यक्ति को भेज दिया।

कैबिनेट ने भारत और इजराइल के बीच स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग संबंधी एमओयू को दी मंजूरी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को भारत और इजराइल के बीच स्वास्थ्य एवं दवा के क्षेत्र में सहयोग करने के बारे में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की मंजूरी दे दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस समझौता ज्ञापन के तहत डॉक्टरों, अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों का आदान-प्रदान और प्रशिक्षण, मानव संसाधन विकास व स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं स्थापित करने में सहयोग जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इसमें फार्मास्युटिकल, चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों के विनियमन के संबंध में सूचनाओं का आदान-प्रदान भी शामिल है।

बयान के मुताबिक इस समझौते में जलवायु संबंधी खतरे के समक्ष नागरिकों के स्वास्थ्य की नाजुकता का आकलन और नियंत्रण एवं अनुकूलन के उद्देश्य से जन-स्वास्थ्य संबंधी कार्रवाइयों के बारे में विशेषज्ञता को साझा करना भी शामिल है। इस समझौते के तहत जलवायु सहनीय अवसंरचना के साथ-साथ 'ग्रीन हेल्थकेयर' (विषम जलवायु के अनुरूप अस्पताल) के विकास के लिए सहायता उपलब्ध कराने के लिए विशेषज्ञता को साझा किया जाएगा, विभिन्न प्रासंगिक क्षेत्रों में आपसी अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा और सहयोग का अन्य कोई क्षेत्र जिसका परस्पर निर्धारण किया जाए। इस समझौते के तहत प्रत्येक पक्ष दूसरे पक्ष के संबद्ध निकायों द्वारा सहयोग के मुद्दों पर आयोजित किए जाने वाले गोलमेज, सेमिनारों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में अपने देशों के प्रतिनिधियों की भागीदारी को प्रोत्साहन देगा।

शाह के बंगाल दौरे से पहले भाजयुमो कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प

कोलकाता। रैली निकालने से रोके जाने पर पश्चिम बंगाल भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं की बुधवार को कोलकाता पुलिस से झड़प हो गई। वे पार्टी कार्यकर्ताओं की कथित हत्या के विरोध में प्रदर्शन करने के लिए मेयो रोड की ओर मार्च कर रहे थे। केन्द्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा के शीर्ष नेता अमित शाह के दो दिन के दौरे पर पश्चिम बंगाल पहुंचने से कुछ घंटे पहले यह झड़प हुई।

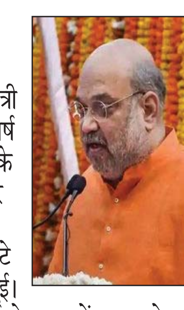

भाजपा युवा मोर्चा ने राज्य में 120 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन के लिए सेंट्रल एवेन्यू स्थित पार्टी कार्यालय से मेयो रोड के बीच रैली का आयोजन किया था। रैली निकालने से रोके जाने पर कार्यकर्ता सेंट्रल एवेन्यू में धरने पर बैठ गए। पुलिस जब उन्हें मनाने में नाकाम रही तो उसने बल प्रयोग किया। इसके बाद झड़प शुरू हो गई और पुलिस ने भाजयुमो के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामले, केजरीवाल ने कहा- राजधानी तीसरी लहर का कर रही सामना

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में पिछले कुछ दिन में कोविड-19 के नये मामलों में वृद्धि हुई है और इसे महामारी की 'तीसरी लहर'कहा जा सकता है। केजरीवाल ने कहा कि घबराने की जरुरत नहीं है और सरकार हालात पर लगातार नजर रखे हुए है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''दिल्ली में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि हुई है। मुझे लगता है कि हम इसे महामारी की तीसरी लहर कह सकते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम हालात पर लगातार नजर रख रहे हैं और घबराने की जरुरत नहीं है। हम सभी जरूरी कदम उठाएंगे।''

उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता दिल्ली में कोविड-19 के मरीजों को सबसे अच्छा इलाज मुहैया कराना और मृत्यु दर को कम से कम रखना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में कोविड-19 मरीजों के लिए बिस्तरों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा, ''हालांकि कुछ बड़े, निजी अस्पतालों में आईसीयू बिस्तरों की कमी है, लेकिन हम इसमें सुधार की कोशिश कर रहे हैं।''

केजरीवाल ने कहा, ''दिल्ली सरकार ने उनकी संख्या (निजी अस्पतालों में आईसीयू बिस्तरों की) बढ़ाई थी, लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय ने हमारे फैसले पर रोक लगा दी। हम आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दे रहे हैं।'' दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के एक बुलेटिन के अनुसार दिल्ली में मंगलवार को एक दिन में सर्वाधिक कोविड-19 के 6,700 से ज्यादा नए मामले सामने आए, जिससे यहां संक्रमितों की कुल संख्या 4 लाख से अधिक हो गई। वहीं, 48 और लोगों की मौत से राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमण से मृतकों की संख्या 6652 हो गई।

प्रकाश जावड़ेकर बोले, पंजाब में रेल यातायात जाम राज्य सरकार की निष्क्रियता का परिणाम

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने पंजाब में किसानों की नाकेबंदी की चलते रेल सेवाएं बाधित होने के लिए बुधवार को राज्य सरकार की ''निष्क्रियता'' को जिम्मेदार बताया और कहा कि मालगाड़ियों एवं यात्री गाड़ियों की सुचारू आवाजाही सभी के हित में है। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों ने रिकॉर्ड 158 लाख मीट्रिक टन धान बेचा है जिससे साबित होता है कि वे खुश हैं।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद जावड़ेकर ने संवाददाताओं से कहा कि यह प्रदर्शन पंजाब में 32 स्थानों पर हो रहा है और किसान रेल पटरियों पर बैठे हैं। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, ''यह राज्य सरकार की निष्क्रियता है। कानून व्यवस्था राज्य का विषय है। मालगाड़ियों एवं यात्री गाड़ियों की सुचारू आवाजाही के लिए रेल मार्ग से रुकावट हटाना सभी के हित में है। सर्दियों के लिए हमें अग्रिम क्षेत्रों में तैनात सैन्यबलों के लिए एलपीजी सिलेंडर और कपड़े पहुंचाने हैं।'' उन्होंने आश्चर्य के लहजे में कहा कि कहीं यह आंदोलन राजनीतिक और कमीशन एजेंटों के समर्थन में तो नहीं है क्योंकि किसान तो उच्च एमएसपी पर अपनी उपज बेचकर लाभान्वित हुए हैं। केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ पंजाब में किसानों का आंदोलन 24 सितंबर से शुरू हुआ था।

बागपत मस्जिद में भाजपा नेता ने पढ़ी हनुमान चालीसा, मौलवी बोले- मैंने दी इजाजत

बागपत। (एजेंसी)।

मथुरा के एक मंदिर में नमाज पढ़े जाने को लेकर उठे विवाद के बीच बागपत में खेकड़ा क्षेत्र में एक भाजपा नेता द्वारा मस्जिद में हनुमान चालीसा का पाठ किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह ने बुधवार को बताया कि खेकड़ा थाना क्षेत्र के विनयपुर गांव स्थित मस्जिद में भाजपा नेता मनुपाल बंसल ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। उन्होंने बताया कि बंसल ने फेसबुक पर इसका वीडियो भी प्रसारित किया। उन्होंने कहा कि वीडियो वायरल होने पर स्थानीय पुलिस द्वारा मामले की जांच कराई गई है। सिंह का कहना है कि भाजपा नेता मनुपाल बंसल विनयपुर की मस्जिद में जाते रहते हैं और उन्होंने वहां हनुमान चालीसा पढ़ने के लिए वहां के मौलवी अली हसन की सहमति ली थी, इसलिए इस मामले में कोई मामला दर्ज नहीं हो सकता। भाजपा के जिलाध्यक्ष सूरजपाल का भी कहना है कि पार्टी नेता ने मौलाना की अनुमति से ही मस्जिद में हनुमान चालीसा का पाठ किया।

भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य मनुपाल बंसल ने कहा कि मंगलवार को मौलाना अली हसन से इजाजत लेने के बाद उन्होंने भाईचारे के लिए मस्जिद में हनुमान चालीसा का पाठ किया। उन्होंने

कहा कि हनुमान चालीसा के पाठ को फेसबुक पर लाइव किया गया, गायत्री मंत्र भी पढ़ा गया। मौलाना अली हसन ने मीडिया से बातचीत में कहा, ''ऊपर वाले का नाम कहीं भी बैठकर लिया जा सकता है। सब जगह उसकी बनाई हुई है। मैंने ही मस्जिद में हनुमान चालीसा का पाठन करने की इजाजत दी थी। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। सभी लोग भाईचारे से काम लें।'' इससे पहले, विश्व हिंदू परिषद के एक स्थानीय नेता ने जुमे की नमाज के दौरान बड़ौत की फूंसवाली मस्जिद में हनुमान चालीसा का पाठ करने का एलान किया था, जिसे लेकर पुलिस सतर्क हो गई है। गौरतलब है कि मथुरा के एक मंदिर में पिछले दिनों दो व्यक्तियों ने नमाज पढ़ी थी। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

अमरिंदर सिंह जंतर मंतर पर धरने पर बैठे, अकाली दल बोला भूख हड़ताल करो

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कृषि कानूनों के मुद्दों पर बातचीत के लिए मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के शिष्टमंडल ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिलने का समय मांगा था लेकिन उन्हें मिलने का समय नहीं दिया गया। जिसके बाद अब उन्होंने जंतर-मंतर पर धरना दिया। अब आप लोग सोच रहे होंगे कि जब पंजाब विधानसभा में केंद्र के कृषि कानूनों को निष्प्रभावी किए जाने वाला विधेयक पारित हो गया है तो फिर अमरिंदर सिंह ऐसा क्यों कर रहे हैं। दरअसल, धरना प्रदर्शन से पहले अमरिंदर सिंह ने कहा कि कृषि राज्य का विषय है। हमने अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए नए कृषि कानून बनाए लेकिन यह बिल अभी राज्यपाल के पास पड़े हैं। हमने 20 अक्टूबर को उन्हें बिल दे दिया था लेकिन उन्होंने अभी तक उसे राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा है। मैं राष्ट्रपति से मिलकर इसके बारे में अवगत कराना चाहता था। उम्मीद करता हूं कि राष्ट्रपति इस बिल को स्वीकार करेंगे।

किसानों की बात करते हुए पंजाब सरकार केंद्र के कानून को निष्प्रभावी करने वाला विधेयक तो पारित कर दिया लेकिन अभी तक राज्यपाल ने अपनी मंजूरी नहीं दी है और राष्ट्रपति महोदय से भी मिलने का समय नहीं मिला। जिसके बाद पंजाब के विधायकों ने जंतर-मंतर का रुख किया।

अमरिंदर सिंह पहले राजघाट पर धरना प्रदर्शन करने वाले थे लेकिन फिर उन्होंने प्रदर्शन के लिए जंतर-मंतर का चुनाव किया। वहीं, धरने में शामिल होने के लिए दिल्ली आ रहे नवजोत सिंह सिद्धू ने आरोप लगाया कि उनकी गाड़ी को पंजाब-दिल्ली सीमा पर रोक लिया गया। उन्होंने इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया।

वहीं, दूसरी तरफ पंजाब की विपक्षी पार्टियों- शिरोमणि अकाली दल, भाजपा और आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के क्रमित 'धरने' का नेतृत्व करने के फैसले को ड्रामा और फोटो खिंचवाने का मौका करार दिया। शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने एक बयान में अमरिंदर सिंह से कहा कि वे दिल्ली में क्रमिक 'धरने' में शामिल न हों, बल्कि केंद्र के कृषि कानूनों को तत्काल निरस्त करने की मांग को लेकर राजघाट पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करें। इस बीच शिअद प्रमुख ने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि क्या वह वास्तव में विरोध को लेकर गंभीर हैं या केवल दिखावा कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)